SAURASHTRA UNIVERSITY

RAJKOT

(ACCREDITED GRADE "A" BY NAAC)

FACULTY OF ARTS

Syllabus for

M.A. (HINDI)

Choice Based Credit System

With Effect from: 2016-17

पाठ्यक्रम उपलब्धियाँ (Programme Outcomes -POs):

POs 1. छात्रों में राष्ट्रीय भावना उजागर करना।

POs 2. इतिहास प्रसिद्ध भारतीय राजा–महाराजाओं की वीरता, धीरता एवं शौर्य को प्रदर्शित करना।

POs 3. भारतीय नाथों, सिद्धों, जैनों की अलौकिक दिव्य दृष्टि को एवं ज्ञान की उँचाई को छात्रों के सामने पेश करना।

POs 4. स्थानीय बोली से प्रभावित छात्रों की उच्चारण संबंधी गलतियों को दुरस्त करना।

POs 5. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्र–गण वैश्विक महिला आंदोलनों, संगठनों और विचारधारा का परिचय प्राप्त करें।

POs 6. छात्र–गण तुलनात्मक साहित्य द्वारा भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति की जानकारी प्राप्त करें।

POs 7. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा प्रादेशिक स्तर की छात्राएँ भारतीय एवं पाश्चात्य नारी–वैचारिकता से परिचित हो।

POs 8. तुलसी की समन्वय भावना एवं राम का लोकनायक रूप राष्ट्रवादी चेतना को जगाने में सहायक हैं।

POs 9. हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा में विविध समस्याओं को उठाया गया है जो राष्ट्रीय स्तर पर समाधान दे सकती है।

POs 10. भारत देश की विविध भाषाओं के बीच संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी भाषा का महत्त्व निर्धारित होता है।

POs 11. दलित वर्ग की समस्याओं को समझें और समाधान तक गति करें।

POs 12. विविध सामाजिक, नारीगत, आर्थिक, राजनीतिक समस्याओं को समाधान की ओर ले जाता है।

POs 13. भारतीय पौराणिक चरित्रों के माध्यम से भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, चेतना उजागर होती है।

POs 14. विविध गद्य रचनाओं के माध्यम से नारी, दलित, आधुनिकता से संबंधित समस्याओं का निरूपण किया गया है।

POs 15. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से गुजराती भाषा में व्यक्त राष्ट्रीय अस्मिता उजागर होती है।

POs 16. भारतीय शिल्पकारों की सामाजिक जागृति एवं राष्ट्रीयता में योगदान की स्थापना होती है।

POs 17. पाश्चात्य काव्यशास्त्र द्वारा पश्चिमी सभ्यता, संस्कृति को जाने।

POs 18. आदिवासी समाज एवं उसके परिवेश से परिचित हों। उनके विकास की दिशा में ठोस कदम उठायें जा सके।

POs 19. छात्र–गण भारतीय लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करें।

पाठ्यक्रम विशिष्ट उपलब्धियाँ (Programme Specific Outcomes- PSOs):

PSOs 1. हिन्दी भाषा साहित्य की पढ़ाई से छात्रों में समन्वयवादी दृष्टिकोण की स्थापना करना।

PSOs 2. भारतीय पौराणिक एवं ऐतिहासिक राष्ट्रीय अस्मिता को उजागर करना ।

PSOs 3. हिन्दी अध्यापन के द्वारा छात्रों में मानवीय संवेदना स्थापित करना ।

PSOs 4. एक राष्ट्र, एक समाज एवं विश्व–बंधुत्व की स्थापना करना ।

PSOs 5. बदलती भाषा–नीतियों का अध्ययन करने भाषागत–अस्मिता को सुरक्षित करना ।

PSOs 6. प्रादेशिक भाषा को महत्त्व देकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के अंतर्सम्बन्ध को जानना ।

PSOs 7. छात्रों को भाषा–कौशल के माध्यम से रोजगार प्राप्त करना ।

PSOs 8. भारतीय मूल्यों की रक्षा करना ।

PSOs 9. भारतीय सांस्कृतिक विरासतों की सुरक्षा करना ।

PSOs 10. हिन्दी भाषा–साहित्य के माध्यम से छात्रों में सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होता है।

PSOs 11. हिन्दी पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों में स्व–शिक्षण एवं स्वयं की क्षमता का विकास करना ।

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

क्रम	कक्षा स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार CHN (मुख्य) IHN (आंतरविद्याकीय) EHN (ऐच्छिक)	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक
१	अनुस्नातक	प्रथम	CHN-1001 (मुख्य)	प्राचीन हिन्दी काव्य	०१	०४	३०	७०	–	१००
२	अनुस्नातक	प्रथम	CHN-1002 (मुख्य)	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	०२	०४	३०	७०	–	१००
३	अनुस्नातक	प्रथम	CHN-1003 (मुख्य)	भाषा विज्ञान (सैद्धांतिक)	०३	०४	३०	७०	–	१००
४	अनुस्नातक	प्रथम	IHN-1001 (आंतर वद्याकीय)	भारतीय साहित्य–१	०४	०४	३०	७०	–	१००
				अथवा						
५	अनुस्नातक	प्रथम	IHN-1001 □आंतर विद्याकीय)	हिन्दी महिला लेखन	०४	०४	३०	७०	–	१००
				अथवा						
६	अनुस्नातक	प्रथम	IHN-1001 (आंतर विद्याकीय)	तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक–१	०४	०४	३०	७०	–	१००
७	अनुस्नातक	प्रथम	EHN-1001 (ऐच्छिक)	विशिष्ट विधा का अध्ययन (हिन्दी उपन्यास–१)	०५	०४	३०	७०	–	१००
				अथवा						
८	अनुस्नातक	प्रथम	EHN-1001 (ऐच्छिक)	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन–१	०५	०४	३०	७०	–	१००
९	अनुस्नातक	द्वितीय	CHN-1004 (मुख्य)	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	०६	०४	३०	७०	–	१००
१०	अनुस्नातक	द्वितीय	CHN-1005 (मुख्य)	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	०७	०४	३०	७०	–	१००
११	अनुस्नातक	द्वितीय	CHN-1006 (मुख्य)	हिन्दी भाषा (व्यावहारिक)	०८	०४	३०	७०	–	१००
१२	अनुस्नातक	द्वितीय	IHN-1002 (आंतर विद्याकीय)	भारतीय साहित्य–२	०९	०४	३०	७०	–	१००
				अथवा						
१३	अनुस्नातक	द्वितीय	IHN-1002 (आंतर विद्याकीय)	हिन्दी का दलित साहित्य	०९	०४	३०	७०	–	१००
				अथवा						
१४	अनुस्नातक	द्वितीय	IHN-1002 (आंतर विद्याकीय)	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक–२)	०९	०४	३०	७०	–	१००
१५	अनुस्नातक	द्वितीय	EHN-1002 (ऐच्छिक)	विशिष्ट विधा का अध्ययन (हिन्दी उपन्यास–२)	१०	०४	३०	७०	–	१००
				अथवा						
१६	अनुस्नातक	द्वितीय	EHN-1002 (ऐच्छिक)	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन–२	१०	०४	३०	७०	–	१००
१७	अनुस्नातक	तृतीय	CHN-1007 (मुख्य)	आधुनिक हिन्दी काव्य–१	११	०४	३०	७०	–	१००
१८	अनुस्नातक	तृतीय	CHN-1008 (मुख्य)	आधुनिक हिन्दी गद्य (कथा साहित्य–१)	१२	०४	३०	७०	–	१००
१९	अनुस्नातक	तृतीय	CHN-1009 (मुख्य)	भारतीय काव्यशास्त्र	१३	०४	३०	७०	–	१००
२०	अनुस्नातक	तृतीय	IHN-1003 (आंतर विद्याकीय)	प्रयोजनमूलक हिन्दी–१	१४	०४	३०	७०	–	१००
				अथवा						
२१	अनुस्नातक	तृतीय	IHN-1003 (आंतर विद्याकीय)	प्रवासी हिन्दी साहित्य	१४	०४	३०	७०	–	१००
				अथवा						
२२	अनुस्नातक	तृतीय	IHN-1003 (आंतर विद्याकीय)	तुलनात्मक साहित्य (व्यावहारिक–१)	१४	०४	३०	७०	–	१००
२३	अनुस्नातक	तृतीय	EHN-1003 (ऐच्छिक)	राजभाषा प्रशिक्षण–१	१५	०४	३०	७०	–	१००
				अथवा						
२४	अनुस्नातक	तृतीय	EHN-1003 (ऐच्छिक)	लघुशोध प्रबंध (सैद्धांतिक)	१५	०४	–	१००	–	१००

२५	अनुस्नातक	चतुर्थ	CHN-1010 (मुख्य)	आधुनिक हिन्दी काव्य–२	१६	०४	३०	७०	–	१००
२६	अनुस्नातक	चतुर्थ	CHN-1011 (मुख्य)	आधुनिक हिन्दी गद्य (कथा साहित्य–२)	१७	०४	३०	७०	–	१००
२७	अनुस्नातक	चतुर्थ	CHN-1012 (मुख्य)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	१८	०४	३०	७०	–	१००
२८	अनुस्नातक	चतुर्थ	IHN-1004 (आंतर विद्याकीय)	प्रयोजनमूलक हिन्दी–२	१९	०४	३०	७०	–	१००
अथवा										
२९	अनुस्नातक	चतुर्थ	IHN-1004 (आंतर विद्याकीय)	हिन्दी का आदिवासी साहित्य	१९	०४	३०	७०	–	१००
अथवा										
३०	अनुस्नातक	चतुर्थ	IHN-1004 (आंतर विद्याकीय)	तुलनात्मक साहित्य (व्यावहारिक–२)	१९	०४	३०	७०	–	१००
३१	अनुस्नातक	चतुर्थ	EHN-1004 (ऐच्छिक)	राजभाषा प्रशिक्षण–२	२०	०४	३०	७०	–	१००
अथवा										
३२	अनुस्नातक	चतुर्थ	EHN-1004 (ऐच्छिक)	लघुशोध प्रबंध (व्यावहारिक)	२०	०४	–	१००	–	१००

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1001 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्राचीन हिन्दी काव्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०१	०१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	CHN-1001 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण आदिकालीन काव्यों का परिचय प्राप्त करें ।

COs 2. पाठ्यक्रम संबंधी छात्र पृथ्वीराज चौहाण की वीरता, धीरता, विवेक एवं मर्यादा को विस्तार से जाने ।

COs 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा छात्रगण राष्ट्रीय कवि अमीर खुसरो के बारे में विस्तार से जानें ।

COs 4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्येता अमीर खुसरो की पहेलियाँ, मुकरियों का ज्ञान प्राप्त करें ।

COs 5. छात्रगण आल्हा और उदल नामक वीरों की वीरता को विस्तार से जानें ।

COs 6. प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा छात्रगण हिन्दी मुसलमान कवियों और उनके साहित्य के बारे में ज्ञान प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	
अनुस्नातक	ईकाई-१	– चंदबरदाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'रासो' परम्परा में पृथ्वीराज रासो का स्थान
		– 'कयमास' का कथानक	– 'कयमास वध' की प्रासंगिकता
		– 'कयमास वध' के चरित्रों का चरित्रांकन	– 'कयमास वध' का काव्य-स्वरूप
		– 'कयमास वध' की काव्यगत विशेषताएँ	– 'कयमास वध' में निरूपित युद्ध वर्णन
		– 'कयमास वध' की ऐतिहासिकता	– 'कयमास वध' में व्यक्त पृथ्वीराज की विरह-वेदना
	ईकाई-२	– अमीर खुसरो : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– अमीर खुसरो का काव्य-सौष्ठव
		– अमीर खुसरो के काव्य में व्यक्त संवेदनाएँ	– अमीर खुसरो के काव्य की काव्यगत विशेषताएँ
		– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'अमीर खुसरो' के काव्य का मूल्यांकन	– अमीर खुसरो की पहेलियों में व्यक्त विचारधारा
		– अमीर खुसरो के काव्य में व्यक्त आदिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	– अमीर खुसरो के काव्य में व्यक्त प्रेमानुभूति
		– अमीर खुसरो की मुकरियाँ	– अमीर खुसरो के काव्य में व्यक्त लोक-परम्पराएँ
	ईकाई-३	– जगनिक : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– रासो परम्परा में 'परमाल रासो' का स्थान
		– परमाल रासो का कथानक	– जगनिक कृत 'आल्हाखण्ड' का कथासार
		– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'आल्हाखण्ड' का मूल्यांकन	– 'आल्हाखण्ड' का काव्य-स्वरूप
		– 'आल्हाखण्ड' का महाकाव्यत्व	– लोक-परम्परा में 'आल्हाखण्ड' का स्थान
		– 'आल्हाखण्ड' की लोक-प्रियता	– 'आल्हाखण्ड' में व्यक्त सांस्कृतिकता
		– 'आल्हाखण्ड' में व्यक्त शौर्य एवं वीरता का वर्णन	– 'आल्हाखण्ड' में नीति एवं कर्तव्य
	ईकाई-४	– अब्दुल रहमान : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'रासो' परम्परा में 'संदेश रासक' का स्थान
		– 'संदेश रासक' काव्य का कथासार	– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'संदेश रासक' का मूल्यांकन
		– 'संदेश रासक' काव्य की काव्यगत विशेषताएँ	– 'संदेश रासक' काव्य की ऐतिहासिकता
		– 'संदेश रासक' काव्य में व्यक्त विरह-वर्णन	– 'संदेश रासक' काव्य का काव्य-स्वरूप
		– 'संदेश रासक' काव्य में व्यक्त श्रृंगारिकता	– 'संदेश रासक' काव्य में व्यक्त मनोविज्ञानिकता
		कुल अंक एवं क्रेडिट	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'कयमास वध' की भाषा – 'कयमास वध' की अलंकार योजना – 'कयमास वध' में प्रकृति चित्रण – 'कयमास वध' काव्य की छन्द योजना – अमीर खुसरो की भाषा – अमीर खुसरो के काव्य की शैली – अमीर खुसरो की गज़ल – अमीर खुसरो के भक्ति संबंधी पद – 'आल्हाखण्ड' की छन्द योजना – 'आल्हाखण्ड' की अलंकार योजना – 'आल्हाखण्ड' में उक्ति-वैचित्र्य – 'आल्हाखण्ड' की भाषा शैली – 'संदेश रासक' काव्य का शीर्षक – 'संदेश रासक' में प्रेमानुभूति – 'संदेश रासक' की छन्द योजना – 'संदेश रासक' की अलंकार योजना		०२	०७	१४

ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कयमास वध- चंदबरदाई संपादक : डॉ. महाप्रसाद गुप्त प्राप्ति स्थान : साहित्य-सदन, झाँसी	पाठ्य पुस्तक : अमीर खुसरो का हिन्दी काव्य संपादक : सं. गोपीनाथ नारंग प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, दरियगंज, नई दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : आल्हाखण्ड संपादक : जगनीक प्राप्ति स्थान : ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार, मुम्बई	पाठ्य पुस्तक : अब्दुल रहमान कृत संदेश रासक संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, डॉ. नामवरसिंह, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रा. लि., ७१२३, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली ।
(२) हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृतियाँ – शिवकुमार वर्मा
(३) हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र
(४) हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – राजनाथ शर्मा
(५) विद्यापति की काव्य-साधना – देशराजसिंह भाटी, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली
(६) विद्यापति : अनुशीलन एवं मूल्यांकन – संपा. डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना – ३
(७) हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि – डॉ. पण्डित बन्ने- विद्या प्रकाशन, कानपुर
(८) पृथ्वीराज रासो एवं आल्हखण्ड साहित्यिक विवेचन – प्रो. महेन्द्रकुमार सीजु – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(९) विद्यापति पदावली का समीक्षात्मक अध्ययन – कल्पना पटेल- विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) आदिकालीन धार्मिक रसकाव्य परम्परा एवं प्रवृतियाँ – डॉ. कृष्णा जून – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि – डॉ. पण्डित बन्ने- अमन प्रकाशन, इलाहाबाद
(१२) पृथ्वीराजरासों एवं आल्हखण्ड का साहित्यिक विवेचन – प्रो. महेन्द्रकुमार सीजु – अमन प्रकाशन, इलाहाबाद

SAURASHTRA UNIVERSITY

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1002 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०१	०२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	CHN-1002 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य : COs 1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से अध्येता मानव चित्तवृत्तियों की विकसित परंपरा के साथ साहित्य परंपरा के विकास को जानें ।

COs 2. छात्रगण हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से भारतीय जीवन मूल्यों का परिचय प्राप्त करें ।

COs 3. हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से छात्रगण भारतीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की अस्मिता को जानें ।

COs 4. छात्रगण हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से साहित्यिक संवेदना को विस्तार से समझे ।

COs 5. हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से अध्येता राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं साहित्यिक हलचलों से अवगत होगा।

COs 6. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से अध्येता इतिहास के विभिन्न काल-खण्डों की प्रवृत्तियों को विस्तार से जानें ।

COs 7. छात्रगण हिन्दी साहित्य के इतिहास को पढ़कर साहित्य-स्वरूपों की बदलती प्रक्रिया को भी विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	
अनुस्नातक	ईकाई-१	– इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास	-हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण
		-हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन परम्परा	– आदिकालीन परिस्थितियाँ
		-इतिहास लेखन की आधारभूत सामग्री	– आदिकालीन साहित्य की प्रवृतियाँ
		-साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ	– आदिकालीन बौद्ध-सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, रास साहित्य, फागु काव्य, चतुष्पदी साहित्य, रासक साहित्य, जैनेतर साहित्य, पुराण काव्य, गद्य काव्य एवं अन्य काव्य
	ईकाई-२	-पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) युगीन परिस्थितियाँ	– ज्ञानमार्गी (संतशाखा) के प्रमुख एवं गौण कवि
		-भक्ति-आन्दोलन	– प्रेममार्गी (सूफी शाखा) की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ
		-भक्तिकाल की साहित्यिक प्रवृतियाँ	– प्रेममार्गी (सूफी शाखा) के प्रमुख एवं गौण कवि
		-भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराएँ	– ज्ञानमार्गी काव्यधारा और प्रेममार्गी काव्यधारा की तुलना
		-ज्ञानमार्गी (संतशाखा) की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	– भक्तिकाल का सुवर्ण-युग के रूप में मूल्यांकन
	ईकाई-३	-सगुण काव्यधारा की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	– कृष्णमार्गी काव्यधारा के प्रमुख एवं गौण कवि
		-राममार्गी काव्यधारा की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	– निर्गुण एवं सगुण काव्यधारा की तुलना
		-राममार्गी काव्यधारा के प्रमुख एवं गौण कवि	– राम-कृष्ण काव्येत्तर काव्य, भक्तितर काव्य
		-कृष्णमार्गी काव्यधारा की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	– भक्तिकालीन गद्य-साहित्य
	ईकाई-४	-उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की परिस्थितियाँ	– रीतिकाल की काल-सीमा और नामकरण
		-रीतिकालीन दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंन्थों की परम्परा	– रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ
		-रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	– रीतिबद्ध साहित्य की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ
		-रीतिबद्ध काव्यधारा के प्रमुख एवं गौण कवि	– रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ
		-रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रमुख एवं गौण कवि	– रीतिसिद्ध काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
		-रीतिसिद्ध काव्यधारा के प्रमुख एवं गौण कवि	– रीतिबद्ध काव्यधारा एवं रीतिमुक्त काव्यधारा की तुलना
		-रीतिकालीन भक्ति साहित्य एवं गद्य-साहित्य	– रीतिकालीन उर्दू-साहित्य

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – विद्यापति – अष्टछाप – रसखान की कृष्णभक्ति – रहीम के नीति-विषयक दोहे – भूषण की राष्ट्रीयता – इतिहास का अर्थ एवं स्वरूप – आदिकालीन लोक-साहित्य – हिन्दी का अपभ्रंश साहित्य – हिन्दी का लोक-नायकत्व – रीतिकालीन ब्रजभाषा काव्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।** **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।** **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।** **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**	पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा प्राप्ति स्थान : वासुकी कृपा ओफसेट, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
(२) हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र
(३) हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – शिवकुमार शर्मा
(४) हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – रामनाथ शर्मा
(५) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
(६) हिन्दी साहित्य का इतिहास – दर्शन : डॉ. आनंद नारायण शर्मा, प्र.अनुपम प्रकाशन, पटना कॉलेज के सामने, पटना
(७) हिन्दी साहित्येतिहास : परंपरागत दृष्टिकोण एवं नये सिद्धांत – डॉ. गणपीतचंद्र गुप्त
(८) हिन्दी साहित्य परिवर्तनवादी परम्परा – डॉ. पोतहार, डॉ. खराटे , गावीत – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(९) भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रमेशचंद्र शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य में धर्मनिरपेक्षता – डॉ. कृष्णा पोतहार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) रास साहित्य का लोकतात्विक अध्ययन – डॉ. शिवाजी देवरे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) भक्ति आन्दोलन और मध्यकालीन हिन्दी भक्तिकाव्य (आलोचना)– डॉ. हरिशंकर दुबे – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१४) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१५) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. ईश्वरदत्त शील – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१६) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामचन्द्र शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१७) हिन्दी का प्रवृत्ति परक इतिहास – सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१८) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयपाल सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१९) हिन्दी साहित्य का नया इतिहास – डॉ. देवेन्द्रप्रताप सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२०) हिन्दी साहित्य अतीत और वर्तमान – त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२२) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२३) दक्षिण गुजरात की जनजाति बोलियाँ : उद्‌भव और विकास – डॉ. मधुकर पाडवी – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२४) इक्कीसवीं सदी की नई चुनौतियाँ – डॉ. शोभा पवार – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२५) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में बदलते जीवन मूल्य – डॉ. जी. पी. सातव – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२६) कबीर और अखा का धर्म विमर्श – डॉ. शैलेश के. मेहता – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२७) मलयालम साहित्य : मार्ग और मार्गदर्शक – डॉ. आरसू – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२८) उत्तर आधुनिकता : साहित्य और मिडिया – डॉ. ऋषभदेव शर्मा – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२९) हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं – डॉ. संजय एल. – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३०) हिन्दी साहित्य युग एवं प्रवृत्तियाँ – डॉ. विजयपाल सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३१) हिन्दी साहित्य का इतिहास – महिमा गुप्त – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1003 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भाषा विज्ञान (सैद्धांतिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०१	०३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	CHN-1003 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम संबंधित छात्र भाषा–विज्ञान के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक स्वरूप को विस्तार से जानें ।

COs 2. छात्रगण भाषा एवं भाषा विज्ञान के अंत:संबंध को जानें ।

COs 3. भाषा विज्ञान के अध्यापन के द्वारा अध्येता को भाषा उच्चारण, प्रयोग एवं उपयोग की शिक्षा देना ।

COs 4. भाषा विज्ञान के अध्ययन के द्वारा छात्रगण विश्व–भाषाओं के परस्पर संबंध को विस्तार से समझे ।

COs 5. छात्रगण भाषा विज्ञान का अध्ययन करके विश्व की विभिन्न भाषाओं की समानता स्थापित करके विश्व–एकता और विश्व–बन्धुत्व का भाव समझें ।

COs 6. छात्रगण भाषा विज्ञान का शिक्षण प्राप्त करके बोली, भाषा, विभाषा का अंत: संबंध जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– 'भाषा' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– भाषा उत्पत्ति के विभिन्न मत
		– भाषा विकास के सोपान	– भाषा का उपयोग
		– भाषा की विशेषताएँ	– भाषा के विभिन्न रूप
		– बोली, विभाषा और भाषा	– भाषा परिवर्तन के कारण
		– भाषा परिवर्तन की दिशाएँ	– संसार के भाषा परिवार
		– 'भाषा विज्ञान' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– भाषा विज्ञान की पद्धतियाँ (शाखाएँ और प्रकार)
		– भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता	– भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध
	ईकाई–२	– 'स्वन' विज्ञान का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– ध्वनि विज्ञान की शाखाएँ
		– ध्वनि उत्पन्न करने की प्रक्रिया	– ध्वनि उच्चारण अवयव
		– ध्वनियों का वर्गीकरण – स्वर और व्यंजन	– ध्वनि के भौतिक गुण
		– ध्वनि परिवर्तन और उनके कारण	– बलाघात के भेद
		– ध्वनि नियम का अर्थ एवं प्रमुख ध्वनि नियम	– ध्वनि परिवर्तन के स्वरूप अथवा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ
		– स्वनिम के भेद खंड्य एवं खंड्येतर ध्वनियाँ	– 'स्वनिम विज्ञान' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
		– अन्तर्राष्ट्रीय ध्वन्यात्मक लिपि, चिह्न	– स्वनिमिक विश्लेषण
	ईकाई–३	–रूप विज्ञान अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– रूप विज्ञान की शाखाएँ
		– रूपिम के भेद	– रूप–परिवर्तन की दिशाएँ
		– रूप–परिवर्तन के कारण	– रूप–परिवर्तन और ध्वनि परिवर्तन में अन्तर
		– शब्द या पद	– शब्दों के प्रकार
		– रूपिम के प्रकार्य : पुरुष, लिंग, वचन, विभक्ति, काल तथा भाव	– रूपग्राम विज्ञान एवं रूपध्वनि ग्राम विज्ञान
		– वाक्य विज्ञान, अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– वाक्य की अवधारणाएँ
		– वाक्य रचना के आधार	– वाक्य के भेद
		– वाक्य विश्लेषण	– निकटतम–अवयव विश्लेषण
		– वाक्य परिवर्तन के कारण	– वाक्य और स्वराघात
		– गहन संरचना और बाह्य संरचना	– प्रोक्ति विज्ञान
	ईकाई–४	– अर्थ विज्ञान, अर्थ परिभाषा एवं अर्थ ग्रहण के प्रकार	– अर्थ विज्ञान और व्युत्पत्ति
		– शब्द और अर्थ का संबंध	– अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण
		– अर्थ परिवर्तन के प्रकार	– पर्याय विज्ञान

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र – शब्दों का वर्गीकरण – साहित्यिक भाषा और जनभाषा में अन्तर – पारिभाषिक शब्दावली – स्वनिम और उपस्वन में भेद – हिन्दी शब्द समूह – केन्द्रीय स्वनिम तथा परिधीय स्वनिम – अनुस्वार और विसर्ग		०२	०७	१४

ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी भाषाविज्ञान – डॉ. डी. डी. शर्मा, प्र. पल्लव प्रकाशन, मालीवाडा, दिल्ली – ६
(२) आधुनिक भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/१३, कूचा चेलान, दरियागंज, नई दिल्ली – २
(३) भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन – डॉ. श्रीवास्तव
(४) भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
(५) आधुनिक भाषाविज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा, प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(६) भाषाविज्ञान और हिन्दी – डॉ. के. डी. रूवाली, प्र. तक्षशीला प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(७) अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
(८) भाषा विज्ञान एवं भाषा विचार – डॉ. पोतहार, डॉ. खराटे– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(९) भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ. हेणमंतराव पाटील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ. संजय नवले – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ. पंडित बन्ने – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) हिन्दी भाषा विज्ञान परिचय – डॉ. ज्ञानराज गायकवाड – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) भाषा और भाषा विज्ञान – तेजपाल चौधरी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) समसामयिक भाषा विज्ञान – डॉ. कविता रस्तोगी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ. संजय नवले, प्रा. भगवान – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१६) हिन्दी भाषा विज्ञान परिचय – डॉ. ज्ञानराज गायकवाड – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१७) भाषा विज्ञान एवं भाषा विचार – डॉ. पोतहार, डॉ. खराटे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(१८) भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का स्वरूप–विकास – डॉ. देवेन्द्रप्रसाद सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१९) हिन्दी का सरल शब्दानुशासन – डॉ. देवेन्द्रप्रसाद सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२०) रूप विज्ञान – लक्ष्मणप्रसाद सिन्हा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२२) हिन्दी भाषा का रूपमिय विश्लेषण – डॉ. लक्ष्मणप्रसाद सिन्हा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२३) हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि – देवेन्द्रप्रसाद सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२४) हिन्दी काव्य भाषा – डॉ. कृपाशंकर पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२५) हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप – डॉ. हिरालाल शर्मा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२६) भाषा चिन्तन की भारतीय परम्परा – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२७) भाषिक औदित्य – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२८) दक्षिण गुजरात की जनजातिय बोलियाँ : उद्‌भव एवं विकास – मधुकर पाडवी – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी									
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1001 (आंतरविद्याकीय)									
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भारतीय साहित्य – १									
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०१	०४	०१		
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे								
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	IHN-1001 (आंतरविद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. पाठ्यक्रम संबंधी छात्र प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्ययन के द्वारा भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान प्राप्त करें ।

COs 2. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके भारतीय एकता एवं अखण्डितता को मूल–भूत रूप से जानें ।

COs 3. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके विश्व–बन्धुत्व की भावना को सुदृढ़ करें ।

COs 4. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्ययन करके जन–जन में भारतीय सांस्कृतिक चेतना को जागृत करें ।

COs 5. छात्रगण बंगला–साहित्य के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करें ।

COs 6. छात्रगण बंगला साहित्य का अन्य भारतीय साहित्य पर अंकित प्रभाव को समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय
अनुस्नातक	ईकाई–१	भारतीय साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
		भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
		भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता का बिम्ब
		भारतीयता का समाजशास्त्र
	ईकाई–२	भारतीय साहित्य में प्रतिबिम्बित भारतीय जीवन–मूल्य
		भारतीय साहित्य में भारतीय राष्ट्रीय एकता का बिम्ब
		भारतीय साहित्य में सामाजिकता
		भारतीय साहित्य और संस्कृति
	ईकाई–३	भारतीय साहित्य में विश्व–कल्याण की भावना
		विश्व साहित्य की अवधारणा
		भारतीय साहित्य पर विश्व–साहित्य का प्रभाव
		बंगला साहित्य का काल विभाजन
	ईकाई–४	आधुनिक बंगला नवजागरणकालीन–काव्य की प्रवृत्तियाँ
		बंगला के मंगलकाव्य
		आधुनिक बंगला कविता और राष्ट्रीय भावना
		बंगला साहित्य और मुस्लिम रचनाकार
		कुल अंक एवं क्रेडिट

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रवीन्द्रनाथ टैगोर – राजाराम मोहनराय – बंगला का गद्य–साहित्य –विद्यापति –विद्यापति – बंगाली सिद्धों के चर्चागीत – बंगला साहित्य में स्वच्छन्दता – कृतिवास रामायण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

<u>संदर्भ ग्रंथ :</u>

(१) भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – २
(२) आज का भारतीय साहित्य (संपादक मंडल), प्र. साहित्य अकादमी, दिल्ली
(३) भारतीयता की पहचान – केशवचंद्र वर्मा, प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद – १
(४) भारतीय साहित्य – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – २
(५) भारतीय साहित्य – सं. डॉ. मूलचंद गौतम – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
(६) Indian Literature – Joshi Umashankar, Personal Encounter, papuiarus Culcutta.
(७) The idea of Indian Literature – Joshi Umashankar, Sahitya Academi, New Delhi
(८) भारतीय साहित्य की मानवतावादी धाराएँ – डॉ. वृषाली मांडेकर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(९) भारतीय साहित्य – डॉ. व्रजकिशोर सिंह – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) भारतीय साहित्य – डॉ. लक्ष्मीकान्त पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1001 (आंतरविद्याकीय)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी महिला लेखन								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०१	०४	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	IHN-1001 (आंतरविद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
COs 1. छात्रगण हिन्दी महिला लेखन के इतिहास से परिचित होंगे ।
COs 2. पाठ्यक्रम संबंधी छात्रगण पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं की स्थिति जानें ।
COs 3. छात्रगण नारी चेतना, नारीवाद, नारी-विमर्श का भेद जानें ।
COs 4. पाठ्यक्रम संबंधी छात्र नारी द्वारा नारी-अस्मिता के सर्जन को विस्तार से जानें ।
COs 5. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा समाज में आये नारी-जीवन परिवर्तनों को विस्तार से जानें ।
COs 6. छात्रगण बदलती पुरुष-प्रधान समाज व्यवस्था में नारी समाज-जीवन का भविष्य जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय
अनुस्नातक	ईकाई-१	– नारीवादी साहित्य स्वरूप, अवधारणा एवं वैचारिक प्रतिमान
		– चेतना, विमर्श, वाद की सैद्धांतिक अवधारणा एवं सामाजिक, सांस्कृति और राजनैतिक अवधारणा
		– नारीचेतना, अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
		– हिन्दी नारीवादी लेखन : उद्‌भव एवं विकास
		– भारत में नारीवादी आन्दोलन, आयोग एवं सरकारी गैर-सरकारी संगठन
	ईकाई-२	– कृष्णा सोबती : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		– 'मित्रो मरजानी' उपन्यास का कथानक
		– 'मित्रो मरजानी' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन
		– उपन्यास कला के आधार पर 'मित्रो मरजानी' का मूल्यांकन
		– 'मित्रो मरजानी' उपन्यास में व्यक्त नारी चेतना
	ईकाई-३	– 'मित्रो मरजानी' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ
		– 'मित्रो मरजानी' उपन्यास की शिल्प-योजना
		– बैसंत्री कौशल्या : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		– 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा का कथ्य
		– 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में व्यक्त नारी जीवन
	ईकाई-४	– 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में व्यक्त नारी चेतना
		– 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में व्यक्त नारी समस्याएँ
		– आत्मकथा के तत्त्वों के आधार पर 'दोहरा अभिशाप' का मूल्यांकन
		– 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में बैसंत्री कौशल्या जी की नारी-विषयक विचारधारा
		– 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा का शिल्प-विधान

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'मित्रो मरजानी' उपन्यास का शीर्षक – 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा का शीर्षक – 'मित्रो मरजानी' उपन्यास का उद्देश्य – 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा की उद्देश्य – 'मित्रो मरजानी' उपन्यास की भाषा शैली – 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में यौन-चित्रण – 'मित्रो मरजानी' उपन्यास की संवाद-योजना – 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में नारी-पीड़न		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : मित्रो मरजानी
संपादक : कृष्णा सोबती
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : दोहरा अभिशाप
संपादक : बैसंत्री कौशल्या
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) आधुनिक महिला लेखन : स्वतंत्र चिंतन दिशाएँ, ओमप्रकाश शर्मा, पूजा प्रकाशन, नई दिल्ली
(२) इक्कसवीं सदी का महिला सशक्तिकरण मिथक एवं यथार्थ, डॉ.वीरेन्द्र सिंह यादव, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(३) औरत : अस्तित्व और अस्मिता : महिला लेखन का समाजशास्त्रीय अध्ययन, रविन्द जैन, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली
(४) दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, विमल थोरात, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली
(५) नारी अधिकार, शान्तीकुमार स्याल, आत्मराम एन्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली
(६) नारी अस्मिता हिन्दी उपन्यासों में, डॉ.सुरेश बत्रा, रचना प्रकाशन, कानपुर
(७) नारी के बदलते आयाम, डॉ.राजकुमार, अर्जन पब्लिसिंग, संसारी रोड, नई दिल्ली
(८) नारी प्रश्न, सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
(९) नारी विद्रोह के भारतीय मंच, आशारानी ब्होरा, नेशनल पब्लिसिंग हाऊस, नई दिल्ली
(१०) प्रभा खेतान के साहित्य में नारी विमर्श, डॉ.कामिनी तिवारी, नेशनल पब्लिसिंग हाऊस, नई दिल्ली
(११) भारतीय नारी : अस्मिता और अधिकार, आशारानी ब्होरा, नेशनल पब्लिसिंग हाऊस, नई दिल्ली
(१२) भारतीय नारी अस्मिता की पहचान, उमा शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
(१३) भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री, चमनलाल, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली
(१४) महाभारत में नारी, डॉ.वनमाला भवालकर, अभिनव साहित्य प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश
(१५) महिला उपन्यासकारों में नारी का बदलता स्वरूप, डॉ.रजना चावडा, राज प्रकाशन, कानपुर
(१६) महिला और मानवधिकार, एम.ए. अंसारी, ज्योति प्रकाशन, जयपुर
(१७) महिला लेखन के संदर्भ में स्त्री विमर्श, प्रो.राजेन्द्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१८) महिला विकास और सशक्तिकरण, प्रज्ञा शर्मा, अविष्कार प्रकाशन, जयपुर
(१९) महिला सशक्तिकरण और कानून, डॉ.ए.एन.अग्निहोत्री, सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
(२०) महिला सशक्तिकरण चिंतन एवंसरोकार, डॉ.रमेशप्रसाद द्विवेदी, शान्ति प्रकाशन
(२१) मानव अधिकार और महिला उत्पीडन, सुधारानी श्रीवास्तव, कोमनवेल्थ पब्लिसिंग, दरियागंज, नई दिल्ली
(२२) विभिन्न चेतनाएँ एवं समकालीन हिन्दी उपन्यासों में नारी चेतना, डॉ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(२३) शोध के नए आयाम, डॉ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(२४) समकाली महिला लेखन, ओमप्रकाश शर्मा, प्रजा प्रकाशन, लक्ष्मीनगर, दिल्ली
(२५) साठोत्तरी हिन्दी कथा–साहित्य : स्त्री विमर्श, क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
(२६) साहित्य के दर्पण में स्त्री, डॉ.सियाराम, ओमेंगा प्रकाशन, दिल्ली
(२७) स्त्री अधिकारों का औचित्य साधन मेरी वोल्सटक काफर, अनु–मीनाक्षी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
(२८) स्त्रीत्त्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य, क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
(२९) स्त्री परंपरा और आधुनिकता, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
(३०) स्त्री विमर्श के विविध संदर्भ, डॉ. सियाराम, ओमेंगा प्रकाशन, दिल्ली
(३१) स्त्री विविध पहलू, कल्पना वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३२) हिन्दी में आदिवासी केन्द्रित उपन्यासों का समीक्षात्मक अध्ययन, डॉ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन
(३३) हिन्दी उपन्यासों में कामकाजी महिला, डॉ.रोहिणी अग्रवाल, दिवमान प्रकाशन, दिल्ली
(३४) हिन्दी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति, डॉ.बीनारानी यादव, अकादमिक प्रतिभा, गीता कोलोनी, नई दिल्ली
(३५) हिन्दी उपन्यास साहित्य में स्त्री विमर्श एवं अन्य आलेख,डॉ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन
(३६) हिन्दी महिला उपन्यासकारों की मानवीय संवेदना, डॉ.उषा यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी									
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1001 (आंतरविद्याकीय)									
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक – १)									
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०१	०४	०३		
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे								
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	IHN-1001 (आंतरविद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप जानें ।

COs 2. छात्रगण के लिए तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परिधि सस्पष्ट हो ।

COs 3. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का इतिहास समझें ।

COs 4. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य और तुलनात्मक भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझें ।

COs 5. छात्रगण भारतीय साहित्य का अध्ययन कर भारतीयता का स्वरूप समझें ।

COs 6. छात्रगण विश्व साहित्य की अवधारणा को समझते हुए तुलनात्मक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय
अनुस्नातक	ईकाई–१	तुलनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
		तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परिधि
		तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि
		तुलनात्मक साहित्य की ऐतिहासिक और तात्त्विक अनिवार्यता
	ईकाई–२	तुलनात्मक साहित्य उत्कर्ष में हिन्दी का योगदान
		तुलनात्मक साहित्य और सामान्य साहित्य का अंत:संबंध
		तुलनात्मक साहित्य और तुलनात्मक भारतीय साहित्य
		तुलनात्मक साहित्य और संस्कृति
	ईकाई–३	तुलनात्मक आलोचना का स्वरूप
		तुलनात्मक आलोचना की कार्य–पद्धति
		तुलनात्मक साहित्य में भारतीय साहित्य का योगदान
		तुलनात्मक साहित्य का भविष्य
	ईकाई–४	तुलनात्मक साहित्य का उद्देश्य
		तुलनात्मक साहित्य और यूरोपीय साहित्य
		तुलनात्मक साहित्य में अंग्रेजी की भूमिका
		तुलनात्मक साहित्य और राष्ट्रीय एकता

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – अन्तर्विद्यावर्ती आलोचना – तुलनात्मक साहित्य और समाजशास्त्र – तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद – तुलनात्मक साहित्य का अन्तर्राष्ट्रीय प्रभाव – तुलनात्मक साहित्य समकालीन पद्धतियाँ – साहित्य का तुलनात्मक विज्ञान		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. अनुवाद अनुभव अवदान – डॉ. आरसु – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. सूचना साहित्य अनुवाद की चुनौतियाँ – वास्वन – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३. अनुवाद – मलयालम साहित्य मार्ग एवं मार्गदर्शन – आरसु – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. जनसंचार माध्यम दशा एवं दिशा – सुरेश कानडे – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर
५. रोजगारपरक हिन्दी – डॉ. ईश्वर पवार – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर
६. तेलुगु साहित्य का हिन्दी पाठ – ऋषभ देव शर्मा – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर
७. भारतीय साहित्य का भावसंसार – डॉ. आरसु, डॉ. परिस्मिता – जयभारती प्रकाशन, कानपुर
८. तुलनात्मक साहित्य – सिद्धांत और समीक्षा – डॉ. महावीरसिंह चौहान – पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
९. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – चौधरी इन्द्रनाथ – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
१०. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
११. तुलनात्मक साहित्य – परीख धीरू – गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
१२. तुलनात्म अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ – डॉ. भ. ह. राजूरकर – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
१३. तुलनात्मक साहित्याभ्यास (गुजराती अनुवाद) – बापट वसंत – अनुवादक –दवे जशवंती, मेहता जया प्र. एस.एन.डी.टी. युनिवर्सिटी, मुंबई ।
१४. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय संदर्भ – देसाई चैतन्य ।
१५. तुलनात्मक साहित्य नी दिशा मां – देसाई अश्विन – दिव्यानंद प्रकाशन
१६. भारतीय नवलकथा – जोषी रमणलाल – युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, अहमदाबाद
१७. Indian Literature – Joshi Umashankar – Personal Pin counter Papurus, Culcutta
१८. The Idea of Indian Literature – Joshi Umashankar – Sahitya Academy, New Delhi.
१९. Aspects of Comparative Literature : Current Approaches – Indian Publishers & Distribution, New Delhi.
२०. Comparative Literature Studies – An Inroduction – Prawar S.S., Duch work London and New York, Branes and Noble.

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1001 (ऐच्छिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	विशिष्ट विधा का अध्ययन (हिन्दी उपन्यास–१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०१	०५	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	EHN-1001 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण उपन्यास सम्राट मुन्शी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझे ।
COs 2. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रेमचंद के कृषि जीवन के वैचारिक आन्दोलन को विस्तार से समझे ।
COs 3. छात्रगण हिन्दी मनोवैज्ञानिक उपन्यासकारों के उपन्यासों के प्रति आकृष्ट हों ।
COs 4. छात्रगण 'त्यागपत्र' पढ़कर आत्मचेतना को ओर भी अधिक समझने का प्रयत्न करें ।
COs 5. छात्रगण आत्मकथा का स्वरूप जानें ।
COs 6. छात्रगण हिन्दी आत्मकथाओं में महिला आत्म कथाकारों की आत्मकथाओं से परिचित होंगे ।
COs 7. छात्रगण हिन्दी दलित साहित्य का ज्ञान प्राप्त करें ।
COs 8 .प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रगण मानव समाज–जीवन में समन्वयात्मक दृष्टिकोण को अपनायें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– गोदान का कथानक
		– उपन्यास कला के आधार पर 'गोदान' का मूल्यांकन	– 'गोदान' के पात्रों का चरित्रांकन
		– यथार्थवादी उपन्यास के रूप में 'गोदान' का मूल्यांकन	– 'गोदान' कृषक जीवन का महाकाव्य
		– 'गोदान' उपन्यास में चित्रित समस्याएँ	– 'गोदान' ग्राम जीवन एवं कृषि संस्कृति का महाकाव्य
		– 'गोदान' में निरूपित प्रगतिवादी, गांधीवादी एवं मार्क्सवादी चेतना	– 'गोदान' की भाषा–शैली
	ईकाई–२	– जैनेन्द्रकुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'त्यागपत्र' उपन्यास क कथानक
		– उपन्यास कला के आधार पर 'त्यागपत्र' का मूल्यांकन	– 'त्यागपत्र' का मनोवैज्ञानिक उपन्यास के रूप में मूल्यांकन
		– 'त्यागपत्र' चरित्रों का चरित्रांकन	– 'त्यागपत्र' उपन्यास का परिवेश
		– 'त्यागपत्र' उपन्यास में निरूपित समस्याएँ	– 'त्यागपत्र' उपन्यास का शिल्प
		– 'त्यागपत्र' उपन्यास में निरूपित समाज–व्यवस्था	– 'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त प्रेमानुभूति
	ईकाई–३	– रमणिका गुप्ता : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– आत्मकथा के तथ्यों के आधार पर 'हादसे' का मूल्यांकन
		– 'हादसे' आत्मकथा का कथ्य	– 'हादसे' आत्मकथा में व्यक्त नारी–चेतना
		– 'हादसे' आत्मकथा में व्यक्त परंपरा का विरोध	– नारी जीवन की दर्दनाक कहानी – 'हादसे'
		– पुरुष प्रधान भारतीय समाज व्यवस्था का जीवंत दस्तावेज – 'हादसे'	– 'हादसे' आत्मकथा में व्यक्त रमणिका गुप्ता के आधुनिक स्त्री विचार
		– 'हादसे' आत्मकथा में व्यक्त काम संबंधी नया दृष्टिकोण	– 'हादसे' आत्मकथा में शहरी कामकाजी स्त्री का रूप
	ईकाई–४	– जगदीशचंद्र : व्यक्चित्व एवं कृतित्व	– 'धरती धन न अपना' उपन्यास का कथासार
		– उपन्यास कला के आधार पर 'धरती धन न अपना' का मूल्यांकन	– 'धरती धन न अपना' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन
		– 'धरती धन न अपना' उपन्यास में दलित चेतना	– 'धरती धन न अपना' उपन्यास में परिवेश
		– 'धरती धन न अपना' उपन्यास में व्यक्त मानवीय–संवेदनाएँ	– 'धरती धन न अपना' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ
		– 'धरती धन न अपना' उपन्यास में व्यक्त दलित नारी–शोषण	– 'धरती धन न अपना' उपन्यास में निरूपित वर्ग–संघर्ष
		कुल अंक एवं क्रेडिट	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'गोदान' की संवाद योजना – 'गोदान' के शीर्षक की सार्थकता – 'गोदान' उपन्यास का उद्देश्य – 'गोदान' का परिवेश – 'त्यागपत्र' उपन्यास की संवाद योजना – 'त्यागपत्र' उपन्यास का उद्देश्य – 'त्यागपत्र' के शीर्षक की सार्थकता – 'त्यागपत्र' उपन्यास का अन्त – 'हादसे' आत्मकथा का उद्देश्य – 'हादसे' के शीर्षक की सार्थकता – 'हादसे' आत्मकथा में नैतिक पतन – 'हादसे' आत्कथा से रमणिकाजी की समाज सेवा – 'धरती धन न अपना ' उपन्यास का उद्देश्य – 'धरती धन न अपना' उपन्यास का शीर्षक – 'धरती धन न अपना' उपन्यास की संवाद योजना – 'धरती धन न अपना' उपन्यास की भाषा शैली		०२	०७	१४

ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : गोदान संपादक : प्रेमचंद प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : त्यागपत्र संपादक : जैनेन्द्रकुमार प्राप्ति स्थान : पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : हादसे संपादक : रमणिका गुप्ता प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : धरती धन न अपना संपादक : जगदीशचन्द्र प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) शोध के नये आयाम – डॉ. बी. के. कलासवा, शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद
(२) हिन्दी उपन्यास – पहचान और परख : सं. इन्द्रनाथ मदान
(३) उपन्यास शिल्प और प्रवृत्तियाँ – सुरेश सिन्हा, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
(४) हिन्दी उपन्यास विवेचन – डॉ. सत्येन्द्र, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २.
(५) हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
(६) हिन्दी उपन्यास : डॉ. सुषमा धवन, प्र. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
(७) हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष – सं. रामदरश मिश्र,प्र. गिरनार प्रकाशन, महेसाना (उ. गुजरात)
(८) हिन्दी उपन्यास – स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवड़ेकर
(९) आँचलिकता और हिन्दी उपन्यास : डॉ. नगीना जैन, प्र. अक्षर प्रकाशनल, दिल्ली
(१०) प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास भाग १–२ : डॉ. चमनलाल, प्र. हरियाणा साहित्य एकादमी, चंडीगढ
(११) गोदान का मानववाद – डॉ. हरिश्चन्द्र मिश्र, भाषा साहित्य संस्थान, इलहाबाद – ३
(१२) जैनेन्द्र कुमार : चिन्तन और सृजन – मधुरिमा कोहली, पराग प्रकाशन, दिल्ली
(१३) उषा प्रियंवदा के कथा–साहित्य में युगबोध – डॉ. जयश्री बरहाटे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) उषा प्रियंवदा के उपन्यासों में सामाजिक चेतना – प्रा. पारेख नेहा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) प्रेमचंद के उपन्यास पुनर्मूल्यांकन – डॉ. कनुभाई निनामा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ. सी. एस. अजितकुमार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) जैनेन्द्र के उपन्यासों में सामाजिक समस्याएँ – डॉ. एन. टी. गामीत – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) उषा प्रियंवदा की उपन्यास सृष्टि – डॉ. शहनाज अंकुली – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) प्रेमचन्द का कथा साहित्य : दलित चिन्तन के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. अर्चना घोटे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(२०) आधुनिक बोध और उषा प्रियंवदा (आलोचना) – डॉ. संदीप रणभिरकर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२१) जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ. सी. एस. अजित कुमार – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२२) उषा प्रियंवदा के कथासाहित्य में नारी – डॉ. भारती वलवी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२३) प्रेमचन्द के उपन्यासों में हिन्दू मुस्लिम एकता – डॉ. अशोक माधव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) उषा प्रियंवदा के कथासाहित्य में युगबोध – डॉ. जयश्री बज्हाटे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(२५) जैनेन्द्र के उपन्यासों में सामाजिक समस्याएँ – डॉ. एन. टी. गामीत – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार जैनेन्द्र – डॉ. सुशील जी. धर्माणी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) उषा प्रियंवदा की उपन्यास सृष्टि – डॉ. शहनाज अकुली – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) प्रेमचंद विचारधारा : परम्परा एवं परिदृश्य – सं. प्रो. ए. डी. शेरकिर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि – डॉ. अमर ज्योति – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) प्रेमचन्द के उपन्यास : पुनर्मूल्यांकन – डॉ. कनुभाई निनामा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) जैनेन्द्र के उपन्यास : कथ्य एवं शिल्प – डॉ. यूनुस ए. गाहा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) प्रेमचन्द का कथेतर साहित्य : डॉ. आशा वर्मा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३३) प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी पात्रों का चित्रण – डॉ. ज्योति गायकवाड़ – अमन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1001 (ऐच्छिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन – १								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०१	०५	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	EHN-1001 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण दृश्य–श्रव्य माध्यमों का परिचय प्राप्त करें ।

COs 2.छात्रगण प्रौद्योगिकी युग में दृश्य–श्रव्य माध्यमों की उपयोगिता को विस्तार से जानें ।

COs 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्येता जनसंचार माध्यम में हिन्दी की उपयोगिता का महत्व जानें ।

COs 4. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके रोजगारी प्राप्त करें ।

COs 5. छात्रगण रेडियो में प्रयुक्त हिन्दी भाषा का ज्ञान प्राप्त करके मौखिक अभिव्यक्ति की प्रतिभा को विकसित करें ।

COs 6. छात्रगण हिन्दी प्रचार–प्रसार में दृश्य–श्रव्य माध्यमों की भूमिका समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय
अनुस्नातक	ईकाई–१	माध्यमोपयोगी लेखन स्वरूप और प्रमुख प्रकार
		हिन्दी माध्यमलेखन का संक्षिप्त इतिहास
		पत्रकारिता : भारत में उद्‌भव एवं विकास
		रेडियो : पत्रकारिता
		टेलीविजन : पत्रकारिता
	ईकाई–२	आधुनिक फिल्म पत्रकारिता
		वीडियो पत्रकारिता
		इंटरनेट पत्रकारिता
		दूरसंचार एवं दूरभाषा में हिन्दी अनुप्रयोग
		मल्टी मिडिया और हिन्दी
	ईकाई–३	रेडियो : भारत में उद्‌भव एवं विकास
		रेडियो नाटक की प्रविधि
		रेडियो प्रसारण के विविध रूप
		रेडियो धारावाहिक मे प्रयुक्त हिन्दी
		रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक का अन्तर
	ईकाई–४	रेडियो संगीत में प्रयुक्त हिन्दी
		रेडियो आलेख रूपक (डोक्युमेन्ट्री फीचर)
		रेडियो की हिन्दी भाषा
		रेडियो की भाषा–विशेषताएँ
		रेडियो और विज्ञापन

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रेडियो संचार के स्रोत – रेडियो समाचार लेखन – रेडियो फैंटेसी – रेडियो वार्ता प्रस्तुतीकरण – रेडियो रूपक – रेडियो फीचर – रेडियो रूपान्तरण – रेडियो उद्‌घोषणा लेखन		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) शोध के नये आयाम – डॉ. बी. के. कलासवा, शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद
(२) हिन्दी उपन्यास – पहचान और परख : सं. इन्द्रनाथ मदान
(३) उपन्यास शिल्प और प्रवृत्तियाँ – सुरेश सिन्हा, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
(४) हिन्दी उपन्यास विवेचन – डॉ. सत्येन्द्र, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २.
(५) हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
(६) हिन्दी उपन्यास : डॉ. सुषमा धवन, प्र. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
(७) हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष – सं. रामदरश मिश्र,प्र. गिरनार प्रकाशन, महेसाना (उ. गुजरात)
(८) हिन्दी उपन्यास – स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवड़ेकर
(९) आँचलिकता और हिन्दी उपन्यास : डॉ. नगीना जैन, प्र. अक्षर प्रकाशनल, दिल्ली
(१०) प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास भाग १–२ : डॉ. चमनलाल, प्र. हरियाणा साहित्य एकादमी, चंडीगढ
(११) गोदान का मानववाद – डॉ. हरिश्चन्द्र मिश्र, भाषा साहित्य संस्थान, इलहाबाद – ३
(१२) जैनेन्द्र कुमार : चिन्तन और सृजन – मधुरिमा कोहली, पराग प्रकाशन, दिल्ली
(१३) उषा प्रियंवदा के कथा–साहित्य में युगबोध – डॉ. जयश्री बरहाटे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) उषा प्रियंवदा के उपन्यासों में सामाजिक चेतना – प्रा. पारेख नेहा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) प्रेमचंद के उपन्यास पुनर्मूल्यांकन – डॉ. कनुभाई निनामा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ. सी. एस. अजितकुमार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) जैनेन्द्र के उपन्यासों में सामाजिक समस्याएँ – डॉ. एन. टी. गामीत – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) उषा प्रियंवदा की उपन्यास सृष्टि – डॉ. शहनाज अंकुली – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) प्रेमचन्द का कथा साहित्य : दलित चिन्तन के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. अर्चना घोटे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(२०) आधुनिक बोध और उषा प्रियंवदा (आलोचना) – डॉ. संदीप रणभिरकर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२१) जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ. सी. एस. अजित कुमार – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२२) उषा प्रियंवदा के कथासाहित्य में नारी – डॉ. भारती वलवी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२३) प्रेमचन्द के उपन्यासों में हिन्दू मुस्लिम एकता – डॉ. अशोक माधव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) उषा प्रियंवदा के कथासाहित्य में युगबोध – डॉ. जयश्री बज्हाटे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(२५) जैनेन्द्र के उपन्यासों में सामाजिक समस्याएँ – डॉ. एन. टी. गामीत – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार जैनेन्द्र – डॉ. सुशील जी. धर्माणी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) उषा प्रियंवदा की उपन्यास सृष्टि – डॉ. शहनाज अकुली – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) प्रेमचंद विचारधारा : परम्परा एवं परिदृश्य – सं. प्रो. ए. डी. शेरकिर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि – डॉ. अमर ज्योति – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) प्रेमचन्द के उपन्यास : पुनर्मूल्यांकन – डॉ. कनुभाई निनामा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) जैनेन्द्र के उपन्यास : कथ्य एवं शिल्प – डॉ. यूनुस ए. गाहा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) प्रेमचन्द का कथेतर साहित्य : डॉ. आशा वर्मा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३३) प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी पात्रों का चित्रण – डॉ. ज्योति गायकवाड़ – अमन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1004 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	मध्यकालीन हिन्दी काव्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०६	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	CHN-1001 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र कबीर, तुलसी, बिहारी एवं रसखान के जीवन-वृत को जानें ।

COs 2. छात्रगण हिन्दु-मुस्लिम ऐक्य की पीठिका पर रसखान का महत्व जानें ।

COs 3. छात्रगण मध्यकालीन, भक्ति, समाज, संस्कृति एवं राजनीति का वर्तमान परिपेक्ष्य में मूल्यांकन करें ।

COs 4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र को बिहारी लौकिक-अलौकिक दार्शनिकता को विस्तार से जानें ।

COs 5. छात्रगण वर्तमान जाति, धर्म, सम्प्रदाय की समस्याओं के बीच तुलसी का महत्त्व प्रस्थापित करें ।

COs 6. छात्रगण कबीर की साम्प्रत-महत्ता को विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई		पाठ्य-विषय	
अनुस्नातक	ईकाई-१	**'कबीरबानी'**	– कबीर का जीवन-वृत	– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कबीरबाणी' का मूल्यांकन
			– कबीर-काव्य में व्यक्त दार्शनिकता	– कबीर के मानवतावादी विचार
			– कबीर की भक्ति-भावना	– कबीर समाज-सुधारक के रूप में
			– कबीर की योग-साधना	– कबीर काव्य की प्रमुख विशेषताएँ
	ईकाई-२	**'रामचरितमानस' (अयोध्याकांड)**	– तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– ओयोध्याकांड का वस्तु-पक्ष
			– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'अयोध्याकांड' का मूल्यांकन	– 'अयोध्याकांड' में व्यक्त राम का चरित्र
			– तुलसी लोक-नायक के रूप में	– तुलसी की समन्वयवादी-भावना
			– रामचरितमानस के प्रेरणा-स्रोत	– अयोध्याकांड में वर्णित चित्रकुट-सभा
			– 'रामचरितमानस' का महाकाव्य के रूप में मूल्यांकन	– अयोध्याकांड में व्यक्त राम-भरत मिलन
	ईकाई-३	**'बिहारी नवनीत'**	– बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'बिहारी नवनीत' का मूल्यांकन
			– बिहारी की भक्ति-भावना	– बिहारी के काव्य में व्यक्त श्रृंगारिकता
			– बिहारी के नीति-विषयक दोहों का मूल्यांकन	– बिहारी काव्य में व्यक्त प्रेम एवं श्रृंगार
			– बिहारी की बहुज्ञता	– सतसई परम्परा में बिहारी सतसई का स्थान
	ईकाई-४	**रसखान का काव्य**	– रसखान व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से रसखान के काव्य का मूल्यांकन
			– रसखान के काव्य में व्यक्त प्रकृति-चित्रण	– रसखान की प्रेमानुभूति
			– रसखान का 'रस की खान' के रूप में मूल्यांकन	– रसखान की भक्तिभावना
			– रसखान काव्य में व्यक्त श्रृंगारिकता	– रसखान काव्य की विशेषताएँ
			कुल अंक एवं क्रेडिट	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – कबीर की उलटबासियाँ – कबीर के माया संबंधी विचार – कबीर की भाषा – कबीर का रहस्यवाद – कबीर के राम – रामचरित मानस की मौलिकता – तुलसी की भक्ति भावना – तुलसी की दार्शनिकता – तुलसी की राम-राज्य की कल्पना – बिहारी का नख-शिख वर्णन – बिहारी की भाषा – बिहारी सतसई में व्यक्त प्रकृति चित्रण – बिहारी की दार्शनिकता – रसखान की राधा – रसखान के कृष्ण – रसखान की गोपियाँ – रसखान की भाषा – रसखान का सौदर्य-चित्रण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०
नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।					

★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : कबीर वाणी संपादक : डॉ. पारसनाथ तिवारी प्राप्ति स्थान : राका प्रकाशन, इलाहाबाद	पाठ्य पुस्तक : रामचरित मानस अयोध्याकांड संपादक : गोस्वामी तुलसीदास प्रकाशक : जगतभारती प्रकाशन, सी-३-७७, दूरवाणी नगर, ए.डी.ए. नैनी, इलाहाबाद	पाठ्य पुस्तक : बिहारी नवनीत संपादक : रवीन्द्रकुमार जैन प्राप्ति स्थान : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, २३, दरियागंज, नई दिल्ली-११००२	पाठ्य पुस्तक : रसखान - ग्रंथावली संपादक : देशराजसिंह भाटी प्राप्ति स्थान :सीताराम पुस्तकालय, विसराम बाजार, मथुरा, मो. ०९८३७६५४००७

संदर्भ ग्रंथ :

(१) कबीर मीमांसा - रामनाथ तिवारी, प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२) कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धांत - डॉ. सरनामसिंह शर्मा, प्र. हिन्दी प्रकाशन संस्थान, वाराणसी
(३) कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
(४) गोस्वामी तुलसीदास : व्यक्तित्व, दर्शन-साहित्य- डॉ. रामदत्त भारद्वाज, प्र. हिन्दीप्रचारक संस्थान, वाराणसी
(५) तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ. उदयभानु सिंह, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(६) तुलसी काव्य : नये पुराने संदर्भ : रामबाबू शर्मा, प्र. वाणी प्रकाशन, दिल्ली
(७) बिहारी सतसई - देवेन्द्रनाथ शर्मा, प्र. वाणी प्रकाशन, दिल्ली
(८) बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चनसिंह, प्र. हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी
(९) मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी - राम सागर तिवारी - प्र. अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।
(१०) रसखान और उनका काव्य - डॉ. दशरथ राज, रंजन प्रकाशन, आग्रा - ३
(११) कबीर और महात्मा फुले की कविता - डॉ. बी. डी. मुंडे- विकास प्रकाशन, कानपुर
(१२) कबीर और महात्मा फुले - डॉ. बी. डी. मुंडे - विकास प्रकाशन, कानपुर
(१३) कबीर ढाई आखर प्रेम का - डॉ. बी. डी. मुंडे- विकास प्रकाशन, कानपुर
(१४) एक कबीर और - डॉ. सुजाता वर्मा - विकास प्रकाशन, कानपुर
(१५) कबीर और तुकाराम का सामाजिक दर्शन - डॉ. त्रिवेणी सोनोने - विकास प्रकाशन, कानपुर
(१६) संत कबीर और संत तुकड़ोजी के हिन्दी - डॉ. संगीता जगताप - विकास प्रकाशन, कानपुर
(१७) कबीर और तुकाराम का सामाजिक विचार - डॉ. रघुनाथ गणपति देसाई - विकास प्रकाशन, कानपुर
(१८) कबीर विमर्श - डॉ. इशरत खान - विकास प्रकाशन, कानपुर
(१९) कबीर ग्रंथावली - श्यामसुन्दर दास - विकास प्रकाशन, कानपुर
(२०) कबीर और अखा के काव्य में समाज-विमर्श - डॉ. शैलेश के. महेता - के.एस. पब्लीकेशन, भोपाल
(२१) कबीर और तुकाराम के सामाजिक विचार - डॉ. रघुनाथ गणपति देसाई - विकास प्रकाशन, कानपुर
(२२) कबीर निराला और मुक्तिबोध - डॉ. ललिता अरोड़ा - विकास प्रकाशन, कानपुर
(२३) रामचरितमानस में हास्य व्यंग्य - डॉ. आरती आर. राठौर - विकास प्रकाशन, कानपुर
(२४) रामचरितमानस और राजचन्द्रिका शिल्प विधान का तु. अ.- डॉ. गीता सिंह - विकास प्रकाशन, कानपुर
(२५) रामचरितमानस के चरित्र-सृष्टि - योगेश दुबे- विकास प्रकाशन, कानपुर
(२६) रामचरितमानस का शैली वैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. आशुतोष मि - विकास प्रकाशन, कानपुर
(२७) रामचरितमानस युग सन्दर्भ में (भाग-१)- डॉ. रामप्यारी ध्रुवे- विकास प्रकाशन, कानपुर
(२८) बिहारी सतसई और रत्नाकर वर्गीकृत भरतेश वैभव तु.अ.-डॉ. एस.एस. मिट्ठलकोड़ - विकास प्रकाशन, कानपुर
(२९) तुलसी एवं महात्मा कबीर के साहित्यों की प्रासंगिकता - अभय प्रकाशन, कानपुर
(३०) कबीर साहित्य में नीति तत्व-श्रीमति उर्मिला मिश्रा (प्रेस में) - अभय प्रकाशन, कानपुर
(३१) रामचरितमानस के चार संभाषण - प्रा. सो. माधुरी शिवाजीराव पाटील - अभय प्रकाशन, कानपुर
(३२) रामचरितमानस और रामचंद्रिका : शिल्प विधान का तु. अ.- डॉ. गीता सिंह - अभय प्रकाशन, कानपुर
(३३) रामचरितमानस में चरित्र-सृष्टि - डॉ. योगेश दुबे - अभय प्रकाशन, कानपुर
(३४) बिहारी का सामाजिक शब्दकोश - डॉ. शकुन्तला पांचाल - अभय प्रकाशन, कानपुर
(३५) बिहारी सतसई और रत्नाकर वर्गीकृत 'भरतेश वैभव तु.अ. -डॉ. एस.एस. मिट्ठलकोड़ - अभय प्रकाशन, कानपुर
(३६) कबीर : एक नई दृष्टि - डॉ. रघुवंश - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३७) कबीर ग्रंथावली - रामकिशोर शर्मा (सं.) - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३८) कबीर, सूर, तुलसी - डॉ. योगेन्द्रप्रताप सिंह - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३९) तुलसी - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(४०) रामचरितमानस : अयोध्या काण्ड - डॉ. योगेन्द्रप्रताप सिंह - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(४१) बिहारी रत्नाकर - जगन्नाथदास रत्नाकर - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(४२) बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चन सिंह - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(४३) कबीरदास और शिशुनाम शरीफ का तु. अ. - डॉ. शाकिरा खानम - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४४) कबीर और तुकाराम के काव्य में प्रगतिशील चेतना - डॉ. सुनील कुलकर्णी - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४५) संत कबीर और तुकराम के काव्य में प्रासंगिकता - डॉ. ज्ञानेश्वर गाड - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४६) कबीर का शिक्षा दर्शन - ऊषारानी सिंह कबीर विमर्श - डॉ. इशरत खान - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४७) कबीर विमर्श - डॉ. इशरत खान - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४८) गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य - डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४९) तुलसी काव्य में श्रृंगार - डॉ. स्टेल्लाम्मा - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५०) कबीर आखर प्रेम का - डॉ. बी. डी. मुंडे - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५१) कबीर और जायसी - डॉ. पुरूषोत्तम बाजपेयी - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५२) कबीर निराला और मुक्तिबोध - डॉ. ललिता अरोड़ा - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५३) कबीर का शिक्षा दर्शन - उषा रानी सिंह - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५४) रामचरितमानस में मानवेतर प्राण-सृष्टि के चित्रण का उद्देश्य-डॉ. रामानंद तोरणी बाल - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५५) रामचरितमानस और कौशिक रामायण का तु.अ.- डॉ. मुकुन्द प्रभु - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५६) रामचरितमानस में हास्य-व्यंग्य - डॉ. आरती आर. राठौर - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५७) रामचरितमानस मानस का बोली भूगोल - डॉ. हेमलता नागपाल - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५८) रामचरितमानस में सामाजिक जीवन - डॉ. स्टेल्लाम्मा - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५९) रामचरितमानस और रामचन्द्रिका : शिल्प विधान का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. गीता सिंह - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(६०) रामचरितमानस की सांस्कृति मीमांसा - डॉ. सोमनाथ शुक्ला - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(६१) बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. उर्मिला पाटील - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(६२) बिहारी का सामाजिक शब्दकोष - डॉ. सौ. शकुन्तला - विद्या प्रकाशन, कानपुर
(६३) प्रेमचन्द का कथासाहित्य : दलित चिन्तन के परिप्रेक्ष्य में - डॉ. अर्वना घोटे - विद्या प्रकाशन, कानपु
(६४) मध्यकालीन संत साहित्य और मानव मूल्य - डॉ. सुनीता धानुका अग्रवाल - विद्या प्रकाशन, कानपुर

(६५) बिहारी रत्नाकर – श्री जगन्नाथ रत्नाकर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(६६) मध्यकाल के अनमोल रत्न – डॉ. ज्योति व्यास – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(६७) मध्यकालीन साहित्य विमर्श – सं. सुधा सिंह – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(६८) रामचरितमानस में लोकतत्व– रश्मि श्रीवास्तव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(६९) कबीर : ढाई आखर प्रेम का – डॉ. बी. डी. मुण्डे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(७०) एक कबीर और – डॉ. सुजाता वर्मा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(७१) कबीर विमर्श – डॉ. इशरत खान – अमन प्रकाशन, कानपुर
(७२) गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य – डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा, डॉ. रूचि बाजपेयी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(७३) कबीर और आधुनिक हिन्दी काव्य – डॉ. ललिता राठौड – अमन प्रकाशन, कानपुर
(७४) कबीर ग्रन्थावली – सं. श्याम सुन्दर दास – अमन प्रकाशन, कानपुर
(७५) कबीरदास सृष्टि और दृष्टि – डॉ. परदेशी, डॉ. देवर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(७६) अयोध्याकांड सटीक – डॉ. सतीश कुमार – अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
(७७) कबीर–वाणी – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1005 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०७	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	CHN-1005 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल को पढ़कर छात्रगण प्रस्तुत काल के निर्माण की परिस्थितियों को जानें ।
COs 2. प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर पाठकगण पुनर्जागरण, नवजागरण, पुनरूत्थान की चेतना से अवगत होंगे ।
COs 3. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर देशप्रेम की बलवती भावना से परिचित होगें ।
COs 4. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्ययन के माध्यम से इतिहास में व्यक्त विभिन्न दर्शनों को विस्तार जानें ।
COs 5. हिन्दी साहित्य के आधुनिक युग को पढ़कर पाठक मनुष्य की अधुनातन मानसिकता को जानें ।
COs 6. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर नये साहित्यिक स्वरूपों से परिचित होंगे ।
COs 7. छात्रगण आधुनिक हिन्दी साहित्य के इतिहास को पढ़कर नये साहित्यिक स्वरूपों में आये वैचारिक आन्दोलनों को जानें ।
COs 8. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से गद्यसाहित्य रूपों का उद्‌भव एवं विकास समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– आधुनिक काल की परिस्थितियाँ	– आधुनिक काल की साहित्यिक प्रवृतियाँ
		– आधुनिक काल का नामकरण	– आधुनिक काल–काल सीमा निर्धारण एवं उपविभाजन की समस्या
		– आधुनिक काल 'गद्य काल' के रूप में	– भारतेन्दु युग (पुनःजागरण काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ
		– भारतेन्दु युग की प्रमुख काव्य–प्रवृत्तियाँ	– द्विवेदी युग (जागरण, सुधार काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ
	ईकाई–२	– द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य–प्रवृत्तियाँ	– छायावाद युग : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ
		– छायावाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ	– हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ
		– हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	– हिन्दी की हालावादी काव्यधारा – प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ
		– हिन्दी की हालावादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृतियाँ	– प्रगतिवाद : प्रमुखकवि एवं उनकी रचनाएँ
	ईकाई–३	– प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	– प्रयोगवादी काव्यधारा : प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ
		– प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	– नई कविता के प्रमुख कवि, उनकी रचनाएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
		– हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास	– हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास
		– हिन्दी कहानी : उद्‌भव एवं विकास	– हिन्दी निबंध : उद्‌भव एवं विकास
	ईकाई–४	– हिन्दी आलोचना : उद्‌भव एवं विकास	– हिन्दी संस्मरण : उद्‌भव एवं विकास
		– हिन्दी रेखाचित्र : उद्‌भव एवं विकास	– हिन्दी जीवनी : उद्‌भव एवं विकास
		– हिन्दी आत्मकथा : उद्‌भव एवं विकास	– हिन्दी रीपोर्ताज : उद्‌भव एवं विकास
		– हिन्दी का यात्रा साहित्य : उद्‌भव एवं विकास	– हिन्दी की पत्र–पत्रिकाएँ : उद्‌भव एवं विकास
		कुल अंक एवं क्रेडिट	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – खड़ी बोली गद्य निर्माता – हिन्दी का एकांकी साहित्य – द्विवेदी युगीन प्रबन्ध काव्य – हिन्दी का साक्षात्कार साहित्य – रहस्यवाद – हिन्दी का व्यंग्य साहित्य – रहस्यवाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ – हिन्दी का डायरी साहित्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट :
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : वासुकि कृपा ओफसेट, राजकोट

पाठ्य पुस्तक : साहित्य स्वरूप : उद्‌भव एवं विकास
लेखक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र
(२) हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – शिवकुमार शर्मा
(३) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह, प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
(४) द्वितीय महा समरोत्तर साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र. राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
(५) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह, प्रा. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली – ५१
(६) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – १
(७) आधुनिकता से उत्तर आधुनिकता – मोहम्मदरफी हंचिनाल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(८) आधुनिक हिन्दी काव्य नाटक – डॉ. जे. अविका देवी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(९) आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ – डॉ. भरत पटेल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – प्रा. राठौड़ बालू – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ. पंडित बन्ने – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामसजन पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. ईश्वरदत्त शील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास – डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) हिन्दी नवजागरण और सीमन्तनी उपदेश – राठोड पुंडलीक – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) छायावादी कविता में राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना – डॉ. उषाकुमारी के. पी. – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) उत्तर छायावादी काव्यधारा के परिप्रेक्ष्य में डॉ. शिवमंगलसिंह 'सुमन'– डॉ. शोभना तिवारी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल – डॉ. ईश्वर दत्तशील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२१) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य एवं साहित्यकार – डॉ. नामदेव उतकर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२२) हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२३) हिन्दी साहित्य की युगीन प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामदेव उतकर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२४) उत्तरशती का हिन्दी साहित्य – डॉ. सुरेशकुमार जैन – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२५) हिन्दी साहित्य में युगीन बोध – सं. डॉ. शैलजा भारद्वाज – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२६) स्वाधीनता आन्दोलन और निराला – डॉ. अनिलकुमार राय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२७) आधुनिक हिन्दी साहित्य विविध परिदृश्य – डॉ. पंडित बन्ने– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२८) छायावाद की खड़ी बोली और प्रसाद – डॉ. कृपाशंकर पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२९) छायावादी काव्य में राष्ट्रीयता – डॉ. अशफ़ाक सिकलगर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(३०) उत्तरशती का हिन्दी साहित्य तिलक – राज गोस्वामी का गद्य साहित्य – डॉ. संस्कृति राजहंस – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(३१) अहिंदी भाषियों का हिन्दी साहित्य में योगदान – डॉ. मधु खराटे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(३२) हिन्दी के राष्ट्रीय काव्यधारा के अल्पज्ञात कवि – डॉ. सुधांशु किशोर मिश्र – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(३३) दक्षिण भारत में हिन्दी – सं. डॉ. रमेश शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(३४) खड़ी बोली रामकाव्यों में चित्रित समाज, संस्कृति – डॉ. मनोहर सराफ – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(३५) मध्ययुगीन भक्तिकाव्य के वैचारिक सरोकार – डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल
(३६) साहित्य और परिवेश – वेदप्रकाश 'अमिताभ'
(३७) छायावाद की सही परख पहचान – डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३९) आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ – डॉ. भरत पटेल– अमन प्रकाशन, कानपुर
(४०) छायावादोत्तर हिन्दी कविता – डॉ. प्रतिभा गुर्जर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४१) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के– अमन प्रकाशन, कानपुर
(४२) छायावादी काव्य में राष्ट्रीयता – डॉ. अशफ़ाफ सिकलगर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४३) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. ईश्वरदत्त शील – अमन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1006 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी भाषा (व्यावहारिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०८	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	CHN-1006 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. पाठ्यक्रम संबंधित छात्र प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक आर्य-भाषाओं का परिचय प्राप्त करें ।
COs 2. छात्रगण हिन्दी भाषा के विकास क्रम को जानें ।
COs 3. छात्रगण हिन्दी और उसकी बोलियों के बारे में विस्तार से समझें ।
COs 4. छात्रगण हिन्दी वाक्य-रचना से वाक्य-सृजन कौशल्य को ओर भी प्रशिक्षित करें ।
COs 5. छात्रगण हिन्दी शब्द-रचना को विस्तार से जानें ।
COs 6. छात्रगण हिन्दी के विविध रूपों को समझकर भारतीय भाषा के निर्माण में भारतीय साहित्यकारों का योगदान समझें ।
COs 7. छात्रगण लिपि का इतिहास जानकर लिपि के आवश्यक सुधारों पर अपना मत व्यक्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	
अनुस्नातक	ईकाई-१	– प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ	– मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पाली, प्राकृत, अपभ्रंश (शोरसेनी) अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
		-आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण	– हिन्दी शब्द : अर्थ एवं इतिहास
		– हिन्दी का प्रारम्भिक स्वरूप	– हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान
	ईकाई-२	– हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ	– हिन्दी और उसकी बोलियाँ
		– भाषा और बोली का अंत:संबंध	– खड़ी बोली, ब्रज और अवधि की विशेषताएँ
	ईकाई-३	– हिन्दी शब्द-रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समास	– रूप रचना : लिंग, वचन
		– कारक व्यवस्था : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण	– हिन्दी वाक्य रचना : पदक्रम और अन्विति
		– हिन्दी शब्द परम्परा : तत्सम्, तद्भव, देशी, विदेशी	
	ईकाई-४	– हिन्दी के विविध रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा	– लिपि : उद्भव, विकास तथा विविध रूप
		– प्राचीन नागरी या नागर-लिपि	– देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास
		– देवनागरी लिपि के दोष – अवैज्ञानिकता एवं वैज्ञानिकता	– देवनागरी लिपि का मानकीकरण
		कुल अंक एवं क्रेडिट	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – अवहट्ठ – अव्यय –हिन्दी का भविष्य – कारक – हिन्दी में स्वराघात – लिपि सुधार समीक्षा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी भाषा : संरचना के विविध – आयाम, डॉ. श्रीवास्तव
(२) हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र – डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
(३) मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना – डॉ. रामप्रकाश, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली – ५१
(४) हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(५) हिन्दी विकास और संभावनाएँ – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २
(६) हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, प्र. विनोद पुस्तक मंदिर, आग्रा
(७) हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ – डॉ. विमलेश कांति शर्मा, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २
(९) हिन्दी भाषा एवं व्याकरण – डॉ. मायाप्रकाश पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) मानक हिन्दी का पारम्परिक व्याकरण – शुकदेव शास्त्री – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) हिन्दी का भाषाविज्ञान – डॉ. रामनिवास गुप्त – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) मानक हिन्दी व्याकरण – डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) भाषाशिक्षण – डॉ. हणमंतराव पाटील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना – डॉ. सराफ, डॉ. गोस्वामी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) भारतीय साहित्य कोश भाग–१, २, ३, ४ – सं. डॉ. सुरेश गौतम – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) समकालीन भारतीय साहित्य में आधुनिक युगबोध – डॉ. सुशील, डॉ. रेणु – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) भारतीय साहित्य : कुछ परिदृश्य – डॉ. तनुजा मजूमदार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) संत कबीर और संत तुकडोजी के हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. स्नेहमिता शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) भारतीय साहित्य संवेदनाओं का अनुशीलन – डॉ. हणमंतराव पाटील – अमन प्रकाशन, कानपुर

SAURASHTRA UNIVERSITY

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1002 (आंतर विद्याकीय)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भारतीय साहित्य – २								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०९	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	IHN-1002 (आंतर विद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्येता हिन्दी–गुजराती पुनर्जागरणकालीन साहित्य का विस्तार से परिचय प्राप्त करें ।
COs 2. छात्रगण गिरीश कर्नाड लिखित 'हयवदन' नाटक की अध्यान्त समझ प्राप्त करें ।
COs 3. छात्रगण हिन्दी गुजराती पुनर्जागरण युगीन साहित्य की प्रवृत्तियों के बारे में जानें ।
COs 4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन द्वारा छात्रगण भारतीय महिला लेखिकाओं का परिचय प्राप्त करें ।
COs 5. छात्रगण भारतीय भाषाओं में लिखित नाटक साहित्य का परिचय प्राप्त करें ।
COs 6. छात्रगण गिरीश कर्नाड लिखित 'हयवदन' नाटक की अध्यान्त समझ प्राप्त करें ।
COs 7. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन द्वारा छात्रगण भारतीय महिला लेखिकाओं का परिचय प्राप्त करें ।
COs 8. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से छात्रों में भारतीय आदिवासी समाज की स्थिति का विस्तार से पता चले ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– हिन्दी पुनर्जागरणकालीन काव्य–साहित्य का परिचय	– गुजराती पुनर्जागरणकालीन काव्य–साहित्य का परिचय
		– हिन्दी–गुजराती पुनर्जागरणकालीन काव्य–साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन	– पुनर्जागरणकालीन हिन्दी–गुजराती कविता में राष्ट्रीय–चेतना
		– पुनर्जागरणकालीन हिन्दी–गुजराती कविता में सांस्कृतिक चेतना	– पुनर्जागरणकालीन हिन्दी–गुजराती कविता में व्यक्त सामाजिक एवं धार्मिक सुधार
	ईकाई–२	–नवजागरणयुगीन हिन्दी–गुजराती कविता में व्यक्त आर्थिक चेतना	– भारतेन्दुयुगीन विभिन्न परिस्थितियाँ
		– भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक प्रवृतियाँ	– भारतेन्दु हरिश्चंद्र एवं नर्मद के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन
		– हिन्दी साहित्य पर गांधी–विचारधारा का प्रभाव	– मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में व्यक्त गांधी–विचारधारा
	ईकाई–३	– महाश्वेता देवी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'अग्निगर्भ' उपन्यास का कथ्य
		– उपन्यास कला के आधार पर 'अग्निगर्भ' का मूल्यांकन	– 'अग्निगर्भ' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ
		– 'अग्निगर्भ' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन	– 'अग्निगर्भ' उपन्यास का परिवेश
		– 'अग्निगर्भ' उपन्यास : सामाजिक जागृति पैगाम के रूप में मूल्यांकन	
	ईकाई–४	– गिरीश कर्नाड का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'हयवदन' नाटक का कथासार
		– नाट्यकला के आधार पर 'हयवदन' का मूल्यांकन	– 'हयवदन' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन
		– 'हयवदन' नाटक की आधुनिकता	– 'हयवदन' नाटक की प्रतिकात्मकता
		– 'हयवदन' नाटक में व्यक्त–समस्याएँ	– 'हयवदन' नाटक का मनुष्य की अपूर्णता की वेदनामय कथा के रूप में मूल्यांकन
		कुल अंक एवं क्रेडिट	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – पुनर्जागरणयुगीन काव्य में व्यक्त जातीयता – 'हयवदन' नाटक का शीर्षक – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटकों में राष्ट्रीयता – 'हयवदन' नाटक का उद्देश्य – सुधारवादी आन्दोलन और नर्मद – 'हयवदन' में संकलन–त्रय – 'अग्निगर्भ' उपन्यास की भाषा–शैली – 'हयवदन' नाटक की रंगमंचीयता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अग्निगर्भ
संपादक : महाश्वेता देवी
प्राप्ति स्थान : राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी द्दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : हयवदन
संपादक : गिरीश कर्नाड
प्राप्ति स्थान : पोप्युलर प्रकाशन, ३०१–महालक्ष्मी चेमबर्स, २२–बालुभाई देसाई रोड, मुंबई–४०००२६

संदर्भ ग्रंथ :

(१) भारतीय साहित्य – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी अ प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – २
(२) तुलनात्मक साहित्य : सिद्धांत और समीक्षा, सं. डॉ. महावीरसिंह चौहान, प्र. पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
(३) भारतीय साहित्य –सं. मूलचंद गौतम, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
(४) भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रधुवीर का सृजन, सं. आलोक गुप्ता, रंगद्वार प्रकाशन, माणसा
(५) भारतीय नवलकथा – डॉ. रमणलाल जोशी, प्र. युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बॉर्ड, अहमदाबाद
(६) हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. एस.पी. शर्मा, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(७) तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – चौधरी इन्द्रनाथ, प्र. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली – २
(८) भारतीय भाषाओं के हिन्दी में अनूदित नाटक – डॉ. महेश व्यास, प्र. पार्श्व पब्लिकेशन, रीलिफ रोड, अहमदाबाद
(९) भारतीय साहित्य ऊर्जा और उन्मेष – डॉ. आरसु, प्र. जवाहर पुस्तकालय, हिन्दी पुस्तक प्रकाशन एवं वितरक मथुरा (उ.प्र.)
(१०) अनुवाद चिन्तन दृष्टि और अनुदृष्टि – डॉ. सु. नागलक्ष्मी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान – डॉ. सराफ, डॉ. गोस्वामी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) दक्षिण भारतीय हिन्दी साहित्य का इतिहास – प्रो. पी. आदेश्वर राव – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) अनुवाद सिद्धांत एवं स्वरूप – डॉ. सराफ, डॉ. गोस्वामी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) भारतीय साहित्य : कुछ परिदृश्य – डॉ. तनुजा मजूमदार – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१५) समकालीन भारतीय साहित्य में आधुनिक युगबोध – डॉ. सुशील धर्माणी, डॉ. हिंगोराणी – अमन प्रकाशन, कानपुर

SAURASHTRA UNIVERSITY

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1002 (आंतर विद्याकीय)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का दलित साहित्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०९	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	IHN-1002 (आंतर विद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
COs 1. छात्रगण हिन्दी दलित लेखन का इतिहास को जानें ।
COs 2. छात्रगण हिन्दी दलित लेखन में समाज-सुधारकों के योगदान को जानें ।
COs 3. छात्रगण दलित चेतना का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को जानें ।
COs 4. छात्रगण समाज में जीवन वर्ग-संघर्ष की भाषा को प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा निकृष्ट करें ।
COs 5. छात्रगण राष्ट्रीय अस्मिता के विकास में हर जातियों के योगदान को समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय
अनुस्नातक	ईकाई-१	हिन्दी दलित साहित्य : उद्‌भव एवं विकास
		दलित चेतना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
		जयप्रकाश कर्दम : व्यक्ति एवं कृतित्व
		'छप्पर' उपन्यास का कथानक
		उपन्यास कला के आधार पर 'छप्पर' का मूल्यांकन
	ईकाई-२	'छप्पर' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन
		'छप्पर' उपन्यास में व्यक्त दलित-चेतना
		'छप्पर' उपन्यास की शिल्प-योजना
		'छप्पर' उपन्यास में व्यक्त दलित-सौंदर्यशास्त्र
		'छप्पर' उपन्यास में व्यक्त विभिन्न समस्याएँ
	ईकाई-३	रूपनारायण सोनकर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		'सूअरदान' उपन्यास का कथानक
		उपन्यास-कला के आधार पर 'सूअरदान' का मूल्यांकन
		'सूअरदान' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन
		'सूअरदान' उपन्यास में व्यक्त दलित चेतना
	ईकाई-४	'सूअरदान' उपन्यास में वर्ग-संघर्ष
		'सूअरदान' उपन्यास की शिल्प योजना
		'सूअरदान' उपन्यास कें व्यक्त समस्याएँ
		'सूअरदान' उपन्यास का सौंदर्यशास्त्र
		'सूअरदान' उपन्यास में व्यक्त विभिन्न विचारधाराएँ

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'छप्पर' उपन्यास का शीर्षक – 'सूअरदान' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'छप्पर' उपन्यास का उद्देश्य – 'सूअरदान' उपन्यास का उद्देश्य – 'छप्पर' उपन्यास की भाषाशैली – 'सूअरदान' उपन्यास की भाषा-शैली – 'छप्पर' उपन्यास की संवाद-योजना – 'सूअरदान' उपन्यास की संवाद-योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट :
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : छप्पर
संपादक : जयप्रकाश कर्दम
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई द्दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : सुअरदान
संपादक : रूपनारायपण सोनकर
प्राप्ति स्थान : सम्यक् प्रकाशन, नई द्दिल्ली (३२/३ पश्चिम पुरी)

संदर्भ ग्रंथ :

(१) दलित चेतना साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार, रमणिका गुप्ता, समीक्षा प्रकाशन, २००४

(२) दलित साहित्य का मूल्यांकन, प्रो.चमनलाल, राजपाल प्रकाशन, कश्मीरी गेट, दिल्ली

(३) भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य, पुन्नीसिंह–कमलाप्रसाद–राजेन्द्र शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

(४) दलित साहित्य–२००६, डॉ.जयप्रकाश कर्दम,एकता अपार्टमेन्ट, गीता कोलोनी, दिल्ली

(५) अपने–अपने पिजरे समीक्षात्मक अध्ययन, मोहनदास नैमिशराय, श्री नटराज प्रकाशन,नई दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी									
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1002 (आंतर विद्याकीय)									
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक–२)									
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०९	०३		
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे								
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	IHN-1002 (आंतर विद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण अनुवाद क्या है, इसको जानें ।
COs 2. छात्रगण अनुवाद–प्रक्रिया में अनुवाद कैसे किया जाय, उससे अवगत हो ।
COs 3. छात्रगण गद्य और पद्य कृतियों के अनुवाद करते समय किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है इससे परिचित हों ।
COs 4. छात्रगण अनुवाद संबंधी समस्याओं का समाधान अनुवाद की प्रयुक्ति के माध्यम से जानें ।
COs 5. छात्रगण अनुवाद का भविष्य तथा सीमाओं को जानें ।
COs 6. छात्रगण सांस्कृतिक शब्दों, लोकोक्तियों और मुहावरों के अनुवाद से परिचित हों ।
COs 7. छात्रगण भविष्य में अनुवाद के क्षेत्र में रोजगारी के अवसरों से परिचित हों ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय
अनुस्नातक	ईकाई–१	अनुवाद अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
		अनुवाद के प्रकार
		अनुवाद प्रक्रिया
		अनुवाद के गुण
	ईकाई–२	अनुवाद संस्कृति के दूत के रूप कें
		अनुवाद कार्य और सांस्कृतिक संदर्भ
		अनुवाद प्रवृति के इतिहास की रूपरेखा
		अनुवाद की उपयोगिता एवं उपादेयता
	ईकाई–३	अनुवाद प्रक्रिया में भाषाशास्त्र का महत्व
		सर्जनात्मक और चिन्तनात्मक गद्य–कृतियों के अनुवाद और उसकी समस्याएँ
		पद्यकाव्य के अनुवाद और उसकी समस्याएँ
		अनुवाद विज्ञान, शिल्प एवं कला का अंत:संबंध
	ईकाई–४	अनुवाद शैलियाँ
		मुहावरें और लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ
		विदेशी भाषाओं के अनुवाद की समस्याएँ
		अनुवाद का भविष्य

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – सांस्कृतिक शब्दों के अनुवाद की समस्या – अनुवाद में अनुकूलन की प्रक्रिया – नाट्यानुवाद की समस्याएँ – निबंधानुवाद – अनुवाद में शैलीगत प्रणाली की समस्या – पत्रानुवाद की समस्याएँ – भावानुवाद – आँचलिक कथा साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट :
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अनुवाद भारती
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, रोहतक

संदर्भ ग्रंथ :

(१) अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाश चंद्र भाटिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
(२) अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्र. शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
(३) हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – सं. रवीन्द्रनाथ श्री वास्तव और गोस्वामी, प्र. आलेख प्रकाशन, दिल्ली
(४) हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – वासुदेवनंदन प्रसाद, प्र. भारती भवन प्रकाशन, पटना
(५) विदेशी भाषाओं से अनुवाद की समस्याएँ – भोलानाथ तिवारी, नरेश कुमार, प्र. प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1002 (ऐच्छिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	विशिष्ट विधा का अध्ययन (हिन्दी उपन्यास–२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	१०	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	EHN-1002 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
COs 1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्रगण भारतीय मजदूर–आन्दोलनों के बारे में विस्तार से जानें ।
COs 2. छात्रगण प्रभा खेतान की नारी विषयक चेतना से अवगत होंगे ।
COs 3. पाठ्यक्रम संबंधित छात्र यशपाल के मार्क्सवादी विचारों को जानें ।
COs 4. छात्रगण भारत–विभाजन की पृष्ठभूमि को प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से जानें ।
COs 5. छात्रगण भारत विभाजन के नियामक तत्त्वों को जानें ।
COs 6. छात्रगण भारतीय मजदूर समाज की समस्याओं को विस्तार से जानें ।
COs 7. छात्रगण मारवाडी समाज की नारी–समस्याओं को विस्तार से जानें ।
COs 8. छात्रगण हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यासों का परिचय प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– चित्रा मुद्गल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'आवाँ' उपन्यास का कथासार
		– उपन्यास कला के आधार पर 'आवाँ' का मूल्यांकन	– 'आवाँ' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन
		– 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त नारी–चेतना	– 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त नारी समस्याएँ
		– 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक चेतना	– 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त विभिन्न विचारधाराएँ
		– 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त आर्थिक चेतना	– 'आवाँ' उपन्यास में चित्रित राजनीतिक चेतना
	ईकाई–२	– भीष्म साहनी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'तमस' उपन्यास का कथासार
		– उपन्यास कला के आधार पर 'तमस' का मूल्यांकन	– 'तमस' उपन्यास के पात्रों चरित्रांकन
		– 'तमस' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ	– 'तमस' उपन्यास में व्यक्त साम्प्रदायिकता
		– 'तमस' उपन्यास में व्यक्त राजनैतिक चेतना	– 'तमस' उपन्यास में निरूपित भारत विभाजन की प्रारम्भिक पृष्ठभूमि
		– 'तमस' उपन्यास का परिवेश	– 'तमस' उपन्यास में निरूपित भीष्म साहनी की विभिन्न विचारधाराएँ
	ईकाई–३	– यशपाल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'दिव्या' उपन्यास का कथानक
		– 'दिव्या' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन	– 'दिव्या' उपन्यास का परिवेश
		– उपन्यास कला के आधार पर 'दिव्या' का मूल्यांकन	– 'दिव्या' उपन्यास में व्यक्त ऐतिहासिकता
		– 'दिव्या' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ	– 'दिव्या' उपन्यास में निरूपित ऐतिहासिकता एवं कल्पना का समन्वय
		– 'दिव्या' उपन्यास में व्यक्त नारी–चेतना	– 'दिव्या' उपन्यास में यशपाल की क्रान्तिकारी चेतना
	ईकाई–४	– प्रभा खेतना : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास का कथासार
		– उपन्यास कला के आधार पर 'छिन्नमस्ता' का मूल्यांकन	– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ
		– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास की नारी–चेतना	– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में निरूपित मारवाडी समाज
		– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास का परिवेश	– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन
		– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में निरूपित प्रभाखेतान की विभिन्न विचारधाराएँ	– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास का उद्देश्य

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'आवाँ' उपन्यास का शीर्षक – 'आवाँ' उपन्यास का उद्देश्य – 'आवाँ' उपन्यास की भाषा–शैली – 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त भारतीय आभूषण प्रियता – 'तमस' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'तमस' उपन्यास का उद्देश्य – 'तमस' उपन्यास की संवाद–योजना – 'तमस' उपन्यास की भाषा–शैली – 'दिव्या' उपन्यास का शीर्षक – 'दिव्या' उपन्यास की संवाद योजना – 'दिव्या' उपन्यास की भाषा शैली – 'दिव्या' उपन्यास का उद्देश्य – 'छिन्नमस्ता' उपन्यास का शीर्षक – 'छिन्नमस्ता' उपन्यास की भाषा शैली – 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में यौन–निरूपण – 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में निरूपित मारवाडी समाज व्यवस्था		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आवाँ संपादक : चित्रा मुद्गल प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : तमस संपादक : भीष्म साहनी प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : दिव्या संपादक : यशपाल प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	पाठ्य पुस्तक : छिन्नमस्ता संपादक : प्रभा खेतान प्राप्ति स्थान : राजकमल पेपर बैक्स, नई द्दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) शोध के नये आयाम – डॉ. बी. के. कलासवाल शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद
(२) समकालीन हिन्दी उपन्यास – विवेकी राय, प्र. राजीव प्रकाशन, इलहाबाद
(३) साठोत्तरी हिन्दी उपन्यास – विविध प्रयोग : डॉ. कुसुम शर्मा, प्र. श्याम प्रकाशन, जयपुर
(४) हिन्दी उपन्यास – समकालीन विमर्श : डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी, – प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २
(५) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास बदलते सामाजिक परिप्रेक्ष्य में – उमेशप्रसाद सिंह, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतनल, नयी दिल्ली – २
(६) हिन्दी उपन्यास – उपलब्धियाँ – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(७) हिन्दी उपन्यास : डॉ. सुष्मा धवन, प्र. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
(८) हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र, प्र. गिरनार प्रकाशन, महेसाणा (उ.गु.)
(९) अद्यतन हिन्दी उपन्यास – डॉ. बिन्दु भट्ट, प्र. पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
(१०) प्रभा खेतान के उपन्यासों में नारी – डॉ. अशोक मराठे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य में नारी – डॉ. राजेन्द्र बाविस्कर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य – डॉ. कल्पना पाटील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) प्रभा खेतान के साहित्य में नारी विमर्श – डॉ. कामिनी तिवारी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) यशपाल के उपन्यासों की सामाजिक चेतना – डॉ. भगवान पाठक – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) प्रभा खेतान का रचना संसार – डॉ. के आशा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) आधुनिक हिन्दी उपन्यास साहित्य में संस्कृति – सं. प्रा. के. एम. मायावंशी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य का अनुशीलन – डॉ. संगीता जगताप – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) भीष्म साहनी के उपन्यासों में यथार्थवादी परिदृश्य – डॉ. मंजूषा के.– अमन प्रकाशन, कानपुर
(२१) मीडिया हूँ मैं – जयप्रकाश त्रिपाठी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२२) महिला उपन्यासकारों की नारी : प्रगति एवं पीड़ा के आयाम – डॉ. हरिशंकर दुबे – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२३) यशपाल के उपन्यासों का अनुशीलन – डॉ. शकुन्तला वाघ – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) समकालीन महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारी विमर्श – डॉ. मुक्ता त्यागी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२५) आधुनिक नारी एवं महिला सशक्तिकरण – डॉ. अंजू शुक्ला मीडिया और हिन्दी – डॉ. पण्डिल बन्ने– अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) मीडिया और हिन्दी – डॉ. पण्डिल बन्ने – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) स्त्रीवाद और महिला उपन्यासकार – डॉ. वैशाली देशपांडे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) समकालीन महिला लेखन एवं नारी चेतना – सं. गजाला वसीम, डॉ. माली – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) हिन्दी उपन्यासों में नारी – डॉ. उषा सपकाले – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) यशपाल के उपन्यासों में मार्क्सवाद – डॉ. मधुबाला यादव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) समकालीन लेखिकाओं के उपन्यासों में स्त्री विमर्श – डॉ. महेन्द्र रघुवंश – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) अंतिम दशक के हिन्दी उपन्यास और नारी की अस्मिता – डॉ. मीना ढोले – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३३) हिन्दी के महिला उपन्यास लेखन में स्त्री आन्दोलन – भुनेश यादव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३४) प्रभा खेतान का रचना संसार – के. आशा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३५) स्त्री–विमर्श के विविध आयाम – डॉ. यशवंतकर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३६) तमस उपन्यास में देश विभाजन की त्रासदी – प्रा. दीलिप फोलाने– अमन प्रकाशन, कानपुर
(३७) प्रगतिशील नाटककार भीष्म साहनी – लवकुमार लवलीन – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३८) महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में चेतना के प्रवाह – डॉ. माधुरी सोनटक्क – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३९) यशपाल के उपन्यास – डॉ. प्रमोद पाटील – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४०) समकालीन हिन्दी लेखिकाओं के उपन्यासों में कामकाजी स्त्री – डॉ. प्रेरणा तिवारीं – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४१) चित्रा मुद्गल के कथा–साहित्य में नारी – राजेन्द्र बाविस्कर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४२f महिला उपन्यासकार : एक मूल्यांकन – डॉ. इशरत खान – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४३) महिला रचनाकारों के उपन्यासों में नारी सशक्तिकरण – डॉ. स्वाति नारखेड – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४४) समकालीन लेखिकाओं के उपन्यासों में नारी – डॉ. रेखा पाटिल – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४५) प्रथम दशक के महिला लेखन में नारी विमर्श – डॉ. मृदुला वर्मा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४६) चित्र मुद्गल का कथा साहित्य –डॉ. कल्पना पाटील – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४७) कथाकार उषा प्रियंवदा – डॉ. सुभाष पवार – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४८) कथाकार भीष्म साहनी – डॉ. कृष्णा पटेल– अमन प्रकाशन, कानपुर
(४९) भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन – डॉ. सुरेश बाबर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(५०) साठोत्तरी महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में पात्रों का परिवर्तित मूल्यबोध – डॉ. सीता मिश्र – अमन प्रकाशन, कानपुर
(५१) चित्रा मुद्गल के कथासाहित्य का अनुशीलन – डॉ. गोरक्ष थोरात – अमन प्रकाशन, कानपुर
(५२) आधुनिकता : स्त्री विमर्श – डॉ. ललिता राठोड – अमन प्रकाशन, कानपुर
(५३) भीष्म साहनी के उपन्यासों में चित्रित भारतीय सामाजिक और राजनैतिक परिवेश–डॉ. शालिनी एन. सी.–अमन प्रकाशन,कानपुर
(५४) हिन्दी उपन्यास : नारी विमर्श – डॉ. शोभा बेरेकर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(५५) यशपाल का कथेतर साहित्य – डॉ. बलीराम घापसे – अमन प्रकाशन, कानपुर

(५६) मीडिया और हिन्दी भाषा का स्वरूप – डॉ. मनीष गोहिल – अमन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1002 (ऐच्छिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन – २								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	१०	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	EHN-1002 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण टेलिविझन के उद्‌भव एवं विकास को जानें ।

COs 2. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके हिन्दी फिल्मों में प्रयुक्त भाषा–अभिव्यक्ति का प्रशिक्षण प्राप्त करें ।

COs 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम में अध्येता साहित्य का फिल्मांकन कैसे किया जाय , उसका प्रशिक्षण प्राप्त करें ।

COs 4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र इंटरनेट का प्रयोग समझे ।

COs 5. छात्रगण दृश्य–श्रव्य माध्यमों में हिन्दी भाषा का प्रयोग करते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इन बातों से अवगत हो ।

COs 6. छात्रगण मोबाईल, कम्प्यूटर आदि नवीनत्तम् दृश्य–श्रव्य उपकरणों में हिन्दी प्रयोग का प्रशिक्षण प्राप्त करें

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय
अनुस्नातक	ईकाई–१	टेलीविझन : भारत में उद्‌भव एवं विकास
		टेलीविझन प्रसारण के विविध रूप
		फिल्म : भारत में उद्‌भव एवं विकास
		हिन्दी फिल्मों में प्रयुक्त हिन्दी
		साहित्य और सिनेमा
		हिन्दी धारावाहिकों में प्रयुक्त हिन्दी
	ईकाई–२	हिन्दी सिरियलों में प्रयुक्त हिन्दी
		हिन्दी टी.वी. विज्ञापनों की भाषा
		टी.वी. कार्टून सिरियलों में प्रयुक्त हिन्दी
		टी.वी. बाजार विज्ञापन की भाषा
		साहित्यिक विधाओं की दृश्य–श्रव्य रूपान्तर–कला
		टी.वी. नाटक की तकनीक
	ईकाई–३	टेली ड्रामा, टेलीफिल्म, डोक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य–वैषम्य
		इलैक्ट्रीक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन–सम्पादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि
		विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि
		मोबाईल फोन में प्रयुक्त हिन्दी
		इंटरनेट : भारत में उद्‌भव एवं विकास
		इंटरनेट के विविध रूप
	ईकाई–४	समाज, सूचना प्रौद्योगिकी और इंटरनेट
		कम्प्यूटर : भारत में उद्‌भव एवं विकास
		कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा प्रयोग
		इंटरनेट में प्रयुक्त हिन्दी भाष प्रयोग
		हिन्दी वेबसाईट परिचय
		हिन्दी भाषा में प्रयुक्त प्रेस कोन्फरन्स

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – आकाशवाणी की भाषा – केबल टेलीविझन – फोटो पत्रकारिता – टेलीकोन्फ्रेन्स की हिन्दी भाषा – टेलीविझन की लोक–प्रियता – किसान उत्पादन विज्ञापनों की हिन्दी – टेलीविझन में रीपोतार्ज – टेलीविझन समाचारों की भाषा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – कृष्ण कुमार रत्तू, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २

(२) जन संचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व – सं. त्रिभुवन राय, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २

(३) संचार क्रांति और हिन्दी पत्रकारिता – अशोक कुमार शर्मा, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २

(४) आधुनिक विज्ञान – प्रेमचंद पातंजलि, प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली – १

(५) जनसंचार : विविध आयाम – व्रजमोहन गुप्त, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली–५१

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1007 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य – १								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०३	११	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	CHN-1007 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
COs 1. पाठ्यक्रम से संबंधी छात्रगण महाभारत एवं रामायण संबंधी पौराणिक कथानकों को जानें ।
COs 2. छात्रगण महाभारत के दबे कुचले पात्रों को विस्तार से जानें ।
COs 3. छात्रगण भारतीय विभिन्न दर्शनों को विस्तार से जानें ।
COs 4. छात्रगण जयशंकर प्रसाद के काव्यगत विशेषताओं से परिचित होंगे ।
COs 5. छात्रगण निराला की दृष्टि में 'तुलसीदास' के जीवनवृत को जानें ।
COs 6. छात्रगण नरेश मेहता की काव्य–कला को विस्तार से समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'जयद्रथ वध' का कथानक
		– खण्ड–काव्य के लक्षणो के आधार पर 'जयद्रथ वध' का मूल्यांकन	–भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'जयद्रथ वध' का मूल्यांकन
		– 'जयद्रथ वध' के पात्रों का चरित्रांकन	– 'जयद्रथ वध' का काव्यरूप
		– 'जयद्रथ वध' में पुराण एवं कल्पना का समन्वय	– 'जयद्रथ वध' की मिथकीयता
		– 'जयद्रथ वध' में मैथिलीशरण गुप्त की वैचारिकता	– 'जयद्रथ वध' की परिवेश
	ईकाई–२	– जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'कामायनी' का महाकाव्य की कथानक
		– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कामायनी' का मूल्यांकन	– महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'कामायनी' का मूल्यांकन
		– 'कामायनी' महाकाव्य के पात्रों का चरित्रांकन	– 'कामायनी' का महाकाव्य में वर्णित सामाजिक समस्याएँ
		– 'कामायनी' महाकाव्य की मिथकीयता	– 'कामायनी' का महाकाव्य में व्यक्त आधुनिकता
		– छायावादी श्रेष्ठ काव्य के रूप में 'कामायनी' का मूल्यांकन	– 'कामायनी' का महाकाव्य में व्यक्त विभिन्न दर्शन
	ईकाई–३	– निराला : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'तुलसीदास' काव्य का कथानक
		– प्रबंध काव्य के रूप में 'तुलसीदास' का मूल्यांकन	– 'तुलसीदास' का काव्यरूप
		– 'तुलसीदास' काव्य में निरूपित भारतीय एवं इस्लामी संस्कृति	– भावपक्ष एवं कलापक्षी की दृष्टि से 'तुलसीदास' का मूल्यांकन
		– 'तुलसीदास' काव्य में वर्णित प्रकृति–चित्रण	– 'तुलसीदास' काव्य में व्यक्त विभिन्न दर्शन
		– स्वाधीनता की भावना और तुलसीदास	– 'तुलसीदास' काव्य के चरित्रों का चरित्रांकन
	ईकाई–४	– नरेश मेहता : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'संशय की एक रात' काव्य का कथानक
		– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'संशय की एक रात' का मूल्यांकन	– काव्यनाटक के रूप 'संशय की एक रात' का मूल्यांकन
		– 'संशय की एक रात' काव्य में व्यक्त विभिन्न समस्याएँ	– 'संशय की एक रात' काव्य के चरित्रों चरित्रांकन
		– 'संशय की एक रात' काव्य में व्यक्त आधुनिक भाव–बोध	– 'संशय की एक रात' काव्य का कथानक की मिथकीयता
		– 'संशय की एक रात' काव्य का संदेश	– 'संशय की एक रात' काव्य का परिवेश

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'जयद्रथ वध' शीर्षक की सार्थकता – 'जयद्रथ वध' में प्रकृति चित्रण – 'जयद्रथ वध' की भाषा शैली – 'जयद्रथ वध' का उद्देश्य – 'कामायनी' महाकाव्य का शीर्षक – 'कामायनी' महाकाव्य का उद्देश्य – 'कामायनी' महाकाव्य की अलंकार योजना – 'उर्वशी महाकाव्य की प्रतिकात्मकता – 'तुलसीदास' काव्य का शीर्षक – 'तुलसीदास' काव्य का उद्देश्य – 'तुलसीदास' काव्य की छन्द योजना – 'तुलसीदास' काव्य की बिम्ब योजना – 'संशय की एक रात' काव्य की अलंकार योजना – 'संशय की एक रात' काव्य की छन्द योजना – 'संशय की एक रात' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'संशय की एक रात' काव्य की प्रतीकात्मकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।			
पाठ्य पुस्तक : जयद्रथ वध संपादक : मैथिलीशरण गुप्त प्राप्ति स्थान : साहित्य सदन, चिरगाँव, झांसी	पाठ्य पुस्तक : कामायनी संपादक : जयशंकर प्रसाद प्राप्ति स्थान : जनभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	पाठ्य पुस्तक : तुलसीदास संपादक : निराला प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : संशय की एक रात संपादक : नरेश मेहता प्राप्ति स्थान : पुस्तकायन, इलाहाबाद–३

संदर्भ ग्रंथ :

(१) काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व – नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र. विनोद पुस्तक मंदिर,आग्रा
(२) मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य – डॉ. कमलाकांत पाठक, प्र. रणजीन प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली
(३) कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. नगेन्द्र, प्र. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
(४) कामायनी का पुनर्मूल्यांकन, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
(५) कामायनी सौंदर्य – डॉ. फतहसिंह, प्र. पंचशील प्रकाशन, जयपुर
(६) निराला और उनका तुलसीदास – डॉ. रामकुमार सिंह, प्र. पंचशील प्रकाशन, जयपुर
(७) निराला काव्य : वस्तु और कला : डॉ. भगवान देव यादव, प्र. पंचशील प्रकाशन, जयपुर
(८) निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा, प्र. हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
(९) निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा, प्र. हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
(१९) नरेश मेहता के मिथकिय खण्डकाव्य – डॉ. वर्षा शाह – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) निराला और दिनकर की काव्य चेतना – डॉ. रजनी शिखरे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) निराला के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. नारायण राऊत – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) निराला साहित्य में युगीन समस्याएँ – डॉ. सरोज मार्कण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) कामायनी का काव्यशास्त्रीय विश्लेषण – डॉ. स्नेहलता गुप्ता – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) नरेश मेहता के काव्यों का सामाजिक चिन्तन – डॉ. टी. शुभानन्द – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) आधुनिक हिंदी काव्य में केन्द्रिय कवि निराला – डॉ. सी. जे. प्रसन्न कुमारी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) निराला के कथा–साहित्य में समाजदर्शन और चरित्र सृष्टि – डॉ. वंदना दीक्षित – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) कामायनी का भाषीय औदात्य – डॉ. सुरुचि मिश्रा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) नरेश मेहता के काव्य का अनुशीलन – डॉ. कल्याण वैष्णव – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) कवि नरेश मेहता संवेदना और अभिव्यक्ति –डॉ. मात सुधार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२१) महाप्राण निराला – पुनर्मूल्यांकन – डॉ. प्रदीप मिश्र – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२२) निराला के काव्य में राष्ट्रीय चेतना – डॉ. स्नेहलता शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२३) छायावाद और निराला – वीणा हाठे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२४) नरेश मेहता के कथा साहित्य में मध्यवर्ग – डॉ. जयकरण – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२५) निराला काव्य में प्रकृति – रेणुबाला – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२६) कामायनी – जयशंकर प्रसाद – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२७) निराला के गद्य साहित्य में प्रगतिशील चेतना – डॉ. नरेन्द्र शुक्ला – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) निराला के कथा साहित्य में समाजदर्शन और चरित्र सृष्टि – डॉ. वन्दना दीक्षित – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) निराला के कथासाहित्य में समाजदर्शन और चरित्रसृष्टि – डॉ. सुरूचि मिश्रा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) नरेश मेहता के मिथकीय खण्डकाव्य – डॉ. वर्षा शाह – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) निराला और दिनकर की काव्य चेतना – डॉ. रजनी शिखरे – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) निराला के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. नारायण राऊत – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३३) कवि नरेश मेहता संवेदना और अभिव्यक्ति – डॉ. भरत सुथार – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३४) नरेश मेहता के काव्य का अनुशीलन – डॉ. कल्याण वैष्णव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३५) गोस्वामी तुलसीदास – डॉ. मायाप्रकाश पाण्डेय – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३६) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. देवायत एम. सोलंकी – प्रकाशक : डॉ. देवायत एम. सोलंकी – मुद्रक : आदर्श प्रिन्टींग प्रेस, गोडाउन रोड, १३–मनहर प्लोट के सामने, जामनगर ट्रान्सपोर्ट के सामने,राजकोट

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1008 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी गद्य (कथा साहित्य–१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०३	१२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	CHN-1008 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
COs 1. छात्रगण हिन्दी महिला उपन्यासकारों का परिचय प्राप्त करें ।
COs 2. छात्रगण हिन्दी में लिखित आदिवासी जीवन केन्द्रित उपन्यासों का परिचय प्राप्त करें ।
COs 3. छात्रगण आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की उपन्यास कला को जानें ।
COs 4. छात्रगण आत्मकथात्मक शैली का विस्तार से परिचय प्राप्त करें ।
COs 5. छात्रगण हिन्दी कहानी का विकासक्रम जानें ।
COs 6. छात्रगण हिन्दी कहानी का उद्‌भव एवं विकास जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– मैत्रेयी पुष्पा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास का कथासार
		– उपन्यास के आधार पर 'अल्मा कबूतरी' का मूल्यांकन	– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन
		– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ	– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास में निरूपित नारी चेतना
		– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास में व्यक्त आदिवासी जन–चेतना	– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास का परिवेश
		– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास में व्यक्त नारी समस्याएँ	– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास की आँचलिकता
	ईकाई–२	– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का कथानक
		– उपन्यासकला के आधार पर 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का मूल्यांकन	– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के चरित्रों का चरित्रांकन
		– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में व्यक्त सांस्कृतिक चेतना	– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में नारी–चेतना
		– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में व्यक्त ऐतिहासिकता	– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में संवाद–योजना
		– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में चित्रित परिवेश	– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में प्रेम–निरूपण
	ईकाई–३	– 'एम.डोट.कोम.' कहानी का कथासार	– कहानी कला के आधार पर 'एम.डोट.कोम.' का मूल्यांकन
		– 'पार्टीशन' कहानी का कथासार	– कहानी कला के आधार पर 'पार्टीशन' का मूल्यांकन
		– 'शवयात्रा' कहानी में दलित चेतना	– 'फाईल' कहानी का कथानक
		– 'तहबील' कहानी का कथानक	– कहानी कला के आधार पर 'तहबील' का मूल्यांकन
		– 'छावनी में बेघर' कहानी का कथासार	– 'बिगडैल बच्चें' कहानी की कथावस्तु
		– 'टेपचू' कहानी का मूल्यांकन	
	ईकाई–४	– हिन्दी निबंध : स्वरूप एवं विकास	– 'स्वर्ग में विचार–सभा का अधिवेशन' निबंध का कथासार
		– 'जबान' निबंधकला की दृष्टि से मूल्यांकन	– 'मजदूरी और प्रेम' निबंध में व्यक्त वैचारिकता
		– 'मेघदूत' निबंध का कथासार	– 'मानस का धर्मशास्त्र' निबंध में व्यक्त आचार्य शुक्ल की आलोचना दृष्टि
		– 'नाखून क्यों बढते है' निबंध का मूल्यांकन	– 'अपनी ही मौत पर' निबंध की दार्शनिकता
		– 'भारतीय कला दृष्टि' निबंध में व्यक्त विद्यानिवास मिश्र की कलादृष्टि	– 'निंदा रस' निबंध का भावार्थ

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास की संवाद–योजना – 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास का शीर्षक – 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास की भाषा–शैली – 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास का उद्देश्य – 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास का शीर्षक – 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास का उद्देश्य – 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास की भाषा–शैली – 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में राज–व्यवस्था – 'शवयात्रा' कहानी का उद्देश्य – 'फाइल' कहानी का शीर्षक – 'बिगडैल बच्चे' कहानी का उद्देश्य – 'टेपचू' कहानी की भाषा–शैली – 'साहित्य की राष्ट्रीय चेतना' निबंध का भावाथ – 'कविता का सम्मान' निबंध का भावार्थ – 'मैं धोबी हूँ' निबंध का – 'मेघदूत' निबंध के शीर्षक की सार्थकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अल्मा कबूतरी संपादक : मैत्रेयी पुष्पा प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : बाणभट्ट की आत्मकथा संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्यिल्ली	पाठ्य पुस्तक : आज की कहानी संपादक : डॉ. जयमोहन, एम. एस. प्राप्ति स्थान : जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद	पाठ्य पुस्तक : निबंध मंजूषा संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी में आदिवासी जीवन केन्द्रित उपन्यासों का समीक्षात्मक अध्ययन, डॅ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद
(२) प्रेमचंद और उनक। उपन्यास, उषा ऋषि, भारतीय ग्रंग निकेतन, नयी दिल्ली
(३) प्रेमचंद के उपन्यासों में समकालीनता, रजनीकांत जैन, प्र.लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(४) आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी और उनका साहित्य, राजेन्द्र दीक्षित, प्र.लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
(५) हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों का नवमूल्यांकन, उदयवीर शर्मा, प्र.भारतीय गंथ निकेतन, नयी दिल्ली
(६) हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों का सांस्कृतिक अध्ययन, शिवशंकर त्रिवेदी, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(७) हिन्दी कहानी, डॉ.इन्द्रनाथ मदान, प्र.राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
(८) हिन्दी कहानी के सौ वर्ष : सं.वेदप्रकाश अमिताभ, प्र.मधुवन प्रकाशन, मथुरा
(९) कहानी: स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, प्र.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
(१०) प्रेमचंद : एक विवेचन, डॉ.इन्द्रनाथ मदान, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, इलाहाबाद
(११) हिन्दी ललित निबंध: परपरा एवं प्रयोग, डॉ.वेदवती राठी, पाठक प्रकाशन, अलीगढ़
(१२) हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ, डॉ.हरिमोहन, प्र.तक्षशिला प्रकाशन, न्यू दिल्ली
(१३) हिन्दी निबंध के सौ वर्ष, डॉ.मृत्युजय उपाध्याय, प्र.गिरनार प्रकाशन, महेसाणा
(१४) मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में नारी – डॉ. संतोष पवार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) हजारीप्रसाद द्विवेदी का रचनालोक एवं अभिप्राय – डॉ. सुधा दीक्षित – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में संस्कृति और इतिहास – डॉ. अरूण कुलकर्णी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) छायावादी साहित्य का स्वरूप एवं विकास – डॉ. हरिदास शेव्डें – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) मैत्रेयी पुष्पा के साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन –डॉ. व्यंकट पाटील – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१९) मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों का कथ्य और शिल्प – डॉ. जोगेन्द्र सिंह – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२०) मैत्रेयी पुष्पा के कथात्मक आयाम – डॉ. दया दीक्षित – अमन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1009 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भारतीय काव्यशास्त्र								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०३	१३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	CHN-1009 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्येता भारतीय काव्यशास्त्र के विकास-क्रम को विस्तार से जानें ।
COs 2. भारतीय काव्यशास्त्र पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र भारतीय काव्य-स्वरूपों को विस्तार से समझें ।
COs 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा छात्रों में रचना-वैशिष्ट्य और मूल्यबोध-ज्ञान की दक्षता प्राप्त होंगी ।
COs 4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से छात्रों में साहित्यिक समझ विकसित होगी ।
COs 5. भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन करने से छात्र साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख करें ।
COs 6. काव्यशास्त्र के अध्ययन से अध्येता में काव्य की परख एवं मूल्यांकन करने की आलोचना दृष्टि विकसित होगी ।
COs 7. भारतीय काव्यशास्त्र की विकास प्रक्रिया के अध्ययन से छात्र भारतीय मनुष्य की बैद्धिक चिन्तन प्रक्रिया को विस्तार से जानें ।
COs 8. भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन करने से अध्येता भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक परिस्थितियों को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय
अनुस्नातक	ईकाई-१	भारतीय काव्यशास्त्र का उद्‌भव एवं विकास : काव्य-स्वरूप, काव्य की परिभाषा, काव्य के तत्व
		काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य की आत्मा, काव्य के प्रकार
		रस सिद्धांत : रस-विचार की परम्परा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, रसों का विवेचन, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
	ईकाई-२	अलंकार सिद्धांत : 'अलंकार' का अर्थ, परिभाषा, लक्षण एवं स्वरूप, अलंकारों का अन्य काव्यतत्वों से संबंध अलंकारों का वर्गीकरण काव्य में अलंकारों का महत्व
		रीति सिद्धांत : 'रीति' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप रीति और अन्य आचार्य, रीति के भेद, रीति और गुण, रीति और वृत्ति, रीति और शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ
		वक्रोक्ति सिद्धांत : 'वक्रोक्ति' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद
	ईकाई-३	ध्वनि सिद्धांत ध्वनि' अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप ध्वनि सिद्धांत की स्थापनाएँ, ध्वनि के प्रमुख भेद, गुणी भूत व्यंग्य, चित्रकाव्य
		औचित्य सिद्धांत : औचित्य अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, औचित्य सिद्धांत की स्थापनाएँ, औचित्य के भेद
		काव्य-गुण, काव्य-दोष, शब्द-शक्तियाँ
	ईकाई-४	हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास, रीतिकाल तथा कवि शिक्षा परम्परा
		हिन्दी आलोचना एवं उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ
		हिन्दी समीक्षा एवं समीक्षक, हिन्दी के कवि-समीक्षक

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रस के स्थायि भाव – वृत्ति-विचार – अलंकार और दोष – काव्य-समय – काव्य की आत्मा – काव्य का समाधि-गुण – रूपक के दस भेद – रसा-भास		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) भारतीय काव्यशास्त्र, कृष्णदेव शर्मा, प्र.विनोद पुस्तक मंदिर, आग्रा
(२) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत, डॉ.कृष्णदेव झारी, प्र.चौखबा पुस्तक सिरीज, वाराणसी
(३) भारतीय काव्यशास्त्र का परंपरा, डॉ.नगेन्द्र
(४) भारतीय काव्य चिंतन, राजेश्वर दयाल सक्सेना, प्र.नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
(५) भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन, विश्वंभरनाथ उपाध्याय, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली-२
(६) भारतीय काव्यशास्त्र: नवीन संभावनाएँ, चंद्रभान रावत, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली

(७) हिन्दी रीति साहित्य, डॉ.भगीरथ मिश्र, प्र.राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली–२
(८) हिन्दी आलोचना का विकास, नंदकिशोर नवल, प्र.राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली–२
(९) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी समीक्षा सिद्वांत, डॉ.बह्मदत्त मिश्र, प्र.लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१०) भारतीय एवं पाश्चात्य समालोचना नव आकलन, डॉ.गोपीवल्लभ नेमा, प्र.भारतीय ग्रंग निकेतन, दिल्ली
(११) काव्यशास्त्र : विविध आयाम –सं. डॉ. मधु खराटे , विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. पी. एस. वाघमारे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) रीति सिद्धांत और शैली विज्ञान – डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. शकुन्तला पांचाल, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. ज्ञानराज गायकवाड, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) साहित्य विचार विमर्श (भारतीय एवं पाश्चात्य) – डॉ. रमाकान्त आपरे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) सुलभ काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य – डॉ. सुरेश तापडे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) हिन्दी भाषा का साहित्यशास्त्र – डॉ. शोभा देशपांडे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) काव्यशास्त्र – डॉ. कंचन माला बाहेती, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) काव्यशास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य – डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२१) साहित्य सिद्धांत और अवधारणाएँ – डॉ. अरूणप्रकाश मिश्र, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२२) काव्यशास्त्र तथा समाकलनात्मक सिद्धांत – पी. के. हास, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२३) भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. ज्ञानराज गायकवाड, अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) भारतीय काव्य सिद्धांत – डॉ. ज्ञानराम काशीनाथ गायकवाड, अमन प्रकाशन, कानपुर
(२५) काव्यशास्त्र : विविध आयाम – सं. डॉ. मधु खराटे, अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. यतीन्द्र तिवारी, अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. विजयपाल सिंह – जयभारती प्रकाश, इलाहाबाद
(२८) भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२९) साहित्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन – माधव सोनटक्के – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1003 (आंतर विद्याकीय)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्रयोजनमूलक हिन्दी – १								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०३	१४	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	IHN-1003 (आंतर विद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्येता हिन्दी भाषा के इतिहास एवं स्वरूप को विस्तार जानें ।

COs 2. छात्रगण हिन्दी भाषा का व्यावहारिक एवं सर्वग्राही स्वरूप जानें ।

COs 3. छात्रगण हिन्दी के प्रयोजनमूलक रूप को पढ़कर हिन्दी को कामकाजी भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करें ।

COs 4. प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप को पढ़कर छात्रगण हिन्दी को देश की प्रभावशाली संवादी भाषा बनाने का प्रयत्न करें ।

COs 5. प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्येता रोजगार प्राप्त करें ।

COs 6. प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्येता प्रयोजनमूलक हिन्दी के साथ साथ प्रांतीय भाषा का ज्ञान प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– हिन्दी की ऐतिहासिक यात्रा	– हिन्दी के विभिन्न रूप–राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा
		– प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– प्रयोजनमूलक हिन्दी के उद्देश्य
		– प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिता और कार्य–क्षेत्र	– प्रयोजनमूलक हिन्दी का वर्तमान
		– प्रयोजनमूलक हिन्दी और उसके संकट	
	ईकाई–२	– कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख कार्य : पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रतिवेदन, विज्ञापन	– पारिभाषिक शब्दावली स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली के सिद्धांत
		– ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द)	– हिन्दी कम्प्यूटिंग
		– कम्प्यूटर परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय	
		– इंटरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता	
	ईकाई–३	– इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेट स्केप	– लिंक, ब्राउजिंग, ईमेल भेजना, प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग
		– हिन्दी सोफ्टवेर, पैकेज	– देवनागरी और सर्च इंजन
		– देवनागरी में मुद्रण	– हिन्दी फोन्ट
	ईकाई–४	– पत्रकारिता : स्वरूप एवं विविध प्रकार	– हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास
		– समाचार लेखन कला	– सम्पादन के आधारभूत तत्व
		– व्यावहारिक प्रूफ संशोधन	– शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक सम्पादन
		– प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – स्तम्भ आलेख – कार्यालय ज्ञापन – साक्षात्कार – कार्यक्रम का वृतांत लेखन – प्रेस विज्ञप्ति – पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन – ज्ञापन – संपादकीय लेखन – आलेखन मसौदा – पृष्ठ सज्जा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) प्रयोजनमूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(२) प्रमाणित आलेखन और टिप्पण, डॉ.विराज एम.ए, प्र.राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
(३) प्रशासनिक एवं कार्यलयी हिन्दी, डॉ.रामप्रकाश, डॉ.गुप्त, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली–५१
(४) प्रारूपण, टिप्पण,प्रूफ पठन, भोलानाथ तिवारी, कुलश्रेष्ठ, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(५) प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और व्यवहार, रघुनंदन प्रसाद शर्मा, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
(६) हिन्दी : विविध व्यवहारों की भाषा, सुवासकुमार, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(७) समाचार एवं प्रारूप लेखन, डॉ.रामप्रकाश, डॉ.गुप्त, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली–५१
(८) पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न, डॉ.कृष्णबिहारी मिश्र, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(९) समकालीन पत्रकारिता :मूल्यांकन और मूद्दे, राजकिशोर, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(१०) पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ, डॉ.पृथ्वीनाथ पांडेय
(११) हिन्दी की सर्वोदय पत्रकारिता – डॉ. मृदुला वर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) पत्रकारिता और साहित्य – डॉ. मु.ब. शहा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) हिन्दी पत्रकारिता में कल्याण – डॉ. विद्यारानी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) साहित्यिक पत्रकारिता और संपादित पृष्ठ लेखन – राजनाथ सिंह 'सूर्य' – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) हिंदी पत्रकारिता संसद में समाचार पत्र तक – डॉ. माया त्रिपाठी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. दक्षा निमावत – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) राष्ट्रभाषा हिन्दी : मेरे विचार – मो. करमचन्द गांधी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) पत्रकारिता विमर्श – डॉ. रमेश वर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) भाषा परिसंक्षेपण सिद्धांत और प्रयोग – आचार्य निशांतकेतु – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) मीडिया लेखन सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. चन्द्रप्रकाश मिश्र – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२१) पत्रकारिता की उत्कृष्टता – महेन्द्रसिंह ठाकुर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२२) प्रयोजनमूलक हिन्दी – नसीम ए. आज़ाद– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२३) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता : समग्र मूल्यांकन – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) कम्प्यूटर शिक्षण एवं आधुनिक तकनीक – श्याम सिंह – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२५) मीडिया, हिन्दी और पत्रकारिता – डॉ. आरिफ महात – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) मीडिया लेखन कला – निशांत सिंह – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास – मीनाक्षी सिंह – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) जनसंचार एवं पत्रकारिता – कुमारी शिप्रा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) भारत में प्रेस कानून – प्रो. मधुसूदन त्रिपाठी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप – गोविन्द प्रसाद – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) मीडिया लेखन और सम्पादन कला – डॉ. यू. सी. गुप्ता – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखन – डॉ. बापूराव देसाई – अमन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1003 (आंतर विद्याकीय)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्रवासी हिन्दी साहित्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०३	१४	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	IHN-1003 (आंतर विद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
COs 1. छात्रगण प्रवासी साहित्य का स्वरूप एवं इतिहास को विस्तार से जानें ।
COs 2. छात्रगण प्रवासी साहित्य के माध्यम से भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति की तुलना करें ।
COs 3. छात्रगण प्रवासी साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की अस्मिता को विस्तार से समझें ।
COs 4. छात्रगण प्रवासी साहित्यकारों का परिचय प्राप्त करें ।
COs 5. छात्रगण प्रवासी साहित्य में व्यक्त विदेशी-मूल्य हीनता को जानें ।
COs 6. छात्रगण प्रवासी साहित्य में व्यक्त भाषा-स्वरूपों को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय
अनुस्नातक	ईकाई-१	अभिमन्यु अनत : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		'लाल पसीना' उपन्यास की कथावस्तु
		उपन्यास कला के आधार पर 'लाल पसीना' का मूल्यांकन
		'लाल पसीना' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन
		'लाल पसीना' उपन्यास का शिल्प
	ईकाई-२	'लाल पसीना' उपन्यास में व्यक्त भारतीय जीवन-मूल्य
		'लाल पसीना' उपन्यास में निरूपित भारतीय संस्कृति
		'लाल पसीना' उपन्यास में निरूपित पाश्चात्य संस्कृति
		'लाल पसीना' उपन्यास में निरूपित भारतीय-पाश्चात्य संस्कृति संघर्ष
		'लाल पसीना' उपन्यास में व्यक्त विभिन्न समस्याएँ
	ईकाई-३	सुषम बेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		'हवन' उपन्यास की कथावस्तु
		उपन्यास कला के आधार पर 'हवन' का मूल्यांकन
		'हवन' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन
		'हवन' उपन्यास का शिल्प
		'हवन' उपन्यास में निरूपित प्रवासी भारतियों का यथार्थ
	ईकाई-४	'हवन' उपन्यास में निरूपित भारतीय जीवन मूल्य
		'हवन' उपन्यास में निरूपित भारतीय संस्कृति
		'हवन' उपन्यास में निरूपित पाश्चात्य संस्कृति
		'हवन' उपन्यास में निरूपित भारतीय-पाश्चात्य संस्कृति संघर्ष
		अभिमन्यु अनत : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'लाल पसीना' उपन्यास का शीर्षक – 'हवन' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'लाल पसीना' उपन्यास की भाषा शैली – 'हवन' उपन्यास का उद्देश्य – 'लाल पसीना' उपन्यास का उद्देश्य – 'हवन' उपन्यास की भाषा शैली – 'लाल पसीना' उपन्यास की संवाद योजना – 'हवन' उपन्यास की संवाद योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : लाल पसीना
संपादक : अभिमन्यु अनत
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : हवन
संपादक : सुषम बेदी
प्राप्ति स्थान : हिन्दी पोकेट बुक्स डिपो, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी का प्रवासी साहित्य, डॉ.कमलकिशोर गोयनका, अमित प्रकाशन, कविनगर, गाजियाबाद, २०१०
(२) मॉरिशस का हिन्दी साहित्य, डॉ.लता, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, १९७५
(३) प्रवासी मज़दूरों की पीडा, अरविंद मोहन, राधाकृष्ण प्रकाशन, जगतपुरी ,दिल्ली
(४) मॉरिशस में हिन्दी साहितय का उद्‌भव एवं विकास, डॉ. शयामधर तिवारी, विनेसर पब्लिसिंग, दिल्ली, १९९७
(५) प्रवास में, उषाराजे सक्सेना, ज्ञानगंगा प्रकाशन, चावडी बाजार, दिल्ली
(६) ब्रिटेन में हिन्दी, उषाराजे सक्सेना, मेघाा बुक्स, शाहदरा, दिल्ली
(७) सागर पार भारतीय संस्कृति और हिन्दी, डॉ.कामता कमलेश, समीक्षा पब्लिसिंग,
(८) पाश्चात्य दर्शन की समस्या मूलक विवेचन, केदारनाथ रामनाथ, समीक्षा पब्लिसिंग
(९) प्रवासी भारतीयों की हिन्दी सेवा, डॉ.कैलाशकुमारी सहाय, अविराम प्रकाशन, विश्वसागर , दिल्ली
(१०) युरोपीय दर्शन, रामवतार शमा, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना
(११) निर्मल वर्मा की कहानियों में विदेशी परिवेश, डॉ.सरिता वशिष्ठ, निर्मल प्रकाशन, कबीरनगर, दिल्ली
(१२) एक मॉरिशसवासी की हिन्दी यात्रा, सोमदत्त बखोरी, यशपाल जैन सस्ता साहित्य, नई दिल्ली
(१३) मॉरिशस का कथा-साहित्य, सं. कामता कमलेश, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली
(१४) मॉरिशस में भारतीय प्रवासियों का इतिहास, सं. अभिमन्यु अनत, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
(१५) आत्मविज्ञान, अभिमन्यु अनत, प्रभात प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
(१६) मॉरिशस : हिन्दी महासागर में एक नवोदित राष्ट्र, पहलाद रामशरण, मॉरिशस मंजूषा, शाहदरा, दिल्ली
(१७) अभिमन्यु अनत व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व, डॉ.श्यामधर तिवारी, अभिनव प्रकाशन आगरा,
(१८) अभिमन्यु अनत की प्रतिनिधि रचनाएँ, डॉ.कमलकिशोर गोयनका, नटराज प्रकाशन, दिल्ली

SAURASHTRA UNIVERSITY

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी									
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1003 (आंतर विद्याकीय)									
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य (व्यावहारिक–१)									
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०३	१४	०३		
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे								
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	IHN-1003 (आंतर विद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
COs 1. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप विस्तार से जानें ।
COs 2. तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से नारी–विमर्श की अवधारणा को समझें ।
COs 3. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन करके राष्ट्रीय चेतना को विस्तार से जानें ।
COs 4. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से विभिन्नता में एकता की भावना को ओर भी सुदृड़ करें ।
COs 5. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके भारतीय संस्कृति का परिचय प्राप्त करें ।
COs 6. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का इतिहास जानें ।
COs 7. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों में तुलनात्मक दृष्टि का विकास होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– उमाशंकर जोशी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'महाप्रस्थान' का कथानक
		– उमाशंकर जोशी कृत 'महाप्रस्थान' के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र–चित्रांकन	– 'महाप्रस्थान' का काव्य–स्वरूप
		– 'महाप्रस्थान' में व्यक्त विचारधारा	– 'महाप्रस्थान' की मिथक–योजना
	ईकाई–२	– नरेश मेहता : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'महाप्रस्थान' काव्य–नाटक का कथानक
		– नरेश मेहता कृत 'महाप्रस्थान' के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र–चित्रांकन	– 'महाप्रस्थान' का काव्य–स्वरूप
		– 'महाप्रस्थान' काव्य–नाटक के प्रमुख–चरित्र	– 'महाप्रस्थान' में व्यक्त विचारधारा
	ईकाई–३	– जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का कथानक
		– 'ध्रुवस्वामिनी' का चरित्र–चित्रण	– चंद्रगुप्त का चरित्र चित्रण
		– नाटक के तत्वों के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' का मूल्यांकन	– 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में नारी–विमर्श
	ईकाई–४	– कनैयालाल मा. मुनशी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'ध्रुवस्वामिनी देवी' का कथानक
		– 'ध्रुवस्वामिनी देवी' का चरित्र–चित्रण	– 'ध्रुवस्वामिनी देवी' के आधार पर चंद्रगुप्त का चरित्र–चित्रांकन
		– 'ध्रुवस्वामिनी देवी' में व्यक्त विचारधारा	– नाट्य तत्वों के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी देवी' का मूल्यांकन
		कुल अंक एवं क्रेडिट	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'महाप्रस्थान' शीर्षक सार्थकता – 'ध्रुवस्वामिनी' की अभिनेयता एवं रंगमंचीयता – 'महाप्रस्थान' की रस–योजना – रामगुप्त का चरित्र–चित्रण – 'महाप्रस्थान' के प्रमुख चरित्र – 'ध्रुवस्वामिनी' के शीर्षक की सार्थकता – 'महाप्रस्थान' की संवाद–योजना – 'ध्रुवस्वामिनी' में प्रयुक्त गीत–योजना – 'महाप्रस्थान' में प्रयुक्त मिथक – 'ध्रुवस्वामिनी देवी' के शीर्षक की सार्थकता – 'महाप्रस्थान' की अभिनेयता एवं रंगमंचीयता – 'ध्रुवस्वामिनी देवी' की अभिनेयता एवं रंगमंचीयता – 'महाप्रस्थान' की प्रासंगिकता – 'ध्रुवस्वामिनी देवी' की रस–योजना – 'महाप्रस्थान' का उद्देश्य – 'ध्रुवस्वामिनी देवी' का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : महाप्रस्थान संपादक : उमाशंकर जोशी प्राप्ति स्थान : गुर्जर ग्रंथ कार्यालय, अहमदाबाद	पाठ्य पुस्तक : महाप्रस्थान संपादक : नरेश मेहता प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	पाठ्य पुस्तक : ध्रुवस्वामिनी संपादक : जयशंकर प्रसाद प्राप्ति स्थान : प्रसाद मंदिर, गोवर्दन सहाय, वाराणसी – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी	पाठ्य पुस्तक : ध्रुवस्वामिनी देवी संपादक : कनैयालाल मा. मुनशी प्राप्ति स्थान : रानकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) तुलनात्मक साहित्याभ्यास(गुजराती अनुवाद)बापट, वसंत, अनुवादक–दवे जशवंती, मेहता जया, प्र.एस.एन.डी.टी.महिला विद्यापीठ, मुंबई
(२) तुलनात्मक साहित्य : भारतीय संदर्भ, देसाई (डॉ.),चैतन्य (सं.अनुवादक)
(३) तुलनात्मक साहित्यनी दिशामां, देसाई(डॉ) अश्विन, प्र.दिव्यानंद प्रकाशन
(४) तुलनात्मक साहित्य–सिद्धांत और समीक्षा, सं.महावीर चौहाण, प्र.पार्श्व प्रकाशन
(५) हिन्दी और गुजराती नाट्यसाहित्य का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. रणधीर उपाध्याय – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
(६) हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(७) हिन्दी नाटक और नाटककार – डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ल – नीलम मसन्द पुस्तक संस्थान, कानपुर
(८) जयशंकर प्रसाद के नाटकों में इतिहास और संस्कृति – डॉ. उमेशचन्द्र मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(९) जयशंकर प्रसाद के नाटकों में संवाद : सिद्धान्त और विनियोग – डॉ. श्रीमती श्यामा सहाय, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१०) प्रसाद के नाटक तथा रंगमंच – डॉ. सुष्मापाल मल्होत्रा – राजपाल एन्ड सन्स, दिल्ली
(११) प्रसादोत्तर नाट्य साहित्य – डॉ. विजय बापट – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
(१२) नरेश मेहता के खण्डकाव्य : एक अनुशीलन – पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
(१३) उत्तरशती के हिन्दी काव्य नाटक (सृजन और सांस्कृतिक संदर्भ) – विजय कुमार 'सन्देश' – क्लासिकल पब्लिशींग कंपनी, शोपींग कोम्प्लेक्ष, कर्मपुरा, दिल्ली – १५
(१४) नरेश मेहता : कविता की ऊर्ध्वयात्रा – डॉ. राजकमल राय – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१५) नरेश मेहता के मिथकीय खंडकाव्य – डॉ. वर्षा शाह, विद्या प्रकाशन, सी–४४९, गुजैनी, कानपुर

SAURASHTRA UNIVERSITY

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1003 (ऐच्छिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	राजभाषा प्रशिक्षण – १								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०३	१५	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	EHN-1003 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण राजभाषा किसे कहते है, उसकी जाानकारी प्राप्त करें ।

COs 2. छात्रगण व्यावहारिक हिन्दी की जानकारी प्राप्त करें ।

COs 3. छात्रगण राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधानों से परिचित होंगे ।

COs 4. छात्रगण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी का महत्त्व क्या है, उससे परिचित होंगे ।

COs 5. छात्रगण हिन्दी भाषा का आज के संदर्भ में महत्ता स्थापित करें ।

COs 6. छात्रगण राजभाषा हिन्दी का ऐतिहासिक परिदृश्य जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय
अनुस्नातक	ईकाई–१	राजभाषा हिन्दी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
		प्रशासन व्यवस्था और भाषा
		भारत की बहुभाषिकता और सम्पर्क भाषा की आवश्यकता
		राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रवृत्ति
		राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा का अन्तर एवं महत्व
	ईकाई–२	प्रशासनिक व्यवस्था में राजभाषा की भूमिका
		राजभाषा हिन्दी : परम्परा एवं विकास
		राजभाषा हिन्दी : आधुनिकीकरण
		राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक)
		राष्ट्रपति के आदेश (१९५२, १९५५, १९६०)
	ईकाई–३	राजभाषा अधिनियम – १९८३ (यथा संशोधित १९६७)
		राजभाषा संकल्प (१९६८) यथानुमोदित (१९९१)
		राजभाषा नियम १९७६
		द्विभाषा नीति और त्रिभाषी सूत्र
		हिन्दीत्तर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति
		अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी
	ईकाई–४	हिन्दी के प्रचार–प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थानों की भूमिका
		राजभाषा हिन्दी की वर्तमान स्थिति
		राजभाषा हिन्दी का भविष्य
		हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या
		राजभाषा हिन्दी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – बाजारीकरण और हिन्दी – अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी – वैज्ञानिक लिपि के गुण – देवनागरी लिपि के प्रमुख गुण – खेलकूद की भाषा – संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी की आवश्यकता – राजभाषा और राष्ट्रभाषा का साम्य–वैषम्य – राजभाषा (कार्यालयी) हिन्दी की प्रकृ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) प्रशासन में राजभाषा हिन्दी, डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया, प्र.तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली–२
(२) व्यवहारिक राजभाषा, डॉ.नारायणदत्त पालीवाल, प्र.तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली–२
(३) प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पणी–प्रारूपण और पत्र लेखन, डॉ.हरिमोहन, प्र.तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली–२
(४) हिन्दी :राष्ट्रभाषा से राजभाषा तक, विमलेश कांति शर्मा, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
(५) मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना, डॉ.राम प्रसाद, प्र.रामकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
(६) राजभाषा के नये आयाम – सं. डॉ. एन. टी. गामीत – प्र. क्रिएटीव प्रकाशन, राजकोट
(७) भारत के हिन्दीत्तर क्षेत्रों हिन्दी सं. रमेशचंद्र शर्मा – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर–१२
(८) वैश्विकता के संदर्भ में हिन्दी – डॉ. शैलजा पाटील – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर–१२
(९) प्रशासनिक कामकाजी शब्दावली – डॉ. हरिमोहन – प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली – २
(१०) सरकारी कार्यालयों मे हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव – प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद–१
(११) प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद – डॉ. रामगोपाल सिंह – प्र. पार्श्व पब्लिकेशन, रिलीफ रोड, अहमदाबाद–१
(१२) राजभाषा हिन्दी के बहुमुखी आयाम – डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमार – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर
(१३) प्रशासनिक एवं कर्मचारी हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश, डॉ. रामगुप्त – प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., जी–१७ जगतपुरी, दिल्ली – ५१
(१४) वैश्वीकरण और हिन्दी मानकीकरण – डॉ. हणमतराव पाटील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) मानक व्यवहारिक हिन्दी व्याकरण तथा भाषा बोध – डॉ. संतशरण शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) मानक हिंदी संरचना स्वरूप एवं विश्लेषण – डॉ. सुवर्णलता एम.सी.– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) वैश्विकता के संदर्भ में हिंदी – डॉ. शैलजा पाटील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) मानक हिन्दी भाषा व्याकरण दर्शिका – डॉ. गणेश पवार, डॉ. राजु बागलकोट – अमन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

नोट : ★ यह पाठ्यक्रम केवल शोध–छात्र के लिए है ।

★ प्रस्तुत पाठ्यक्रम से प्रश्नपत्र पूछा नहीं जाएगा ।

★ यह पाठ्यक्रम केवल शोध–छात्र के शोध–प्रशिक्षण के लिए है ।

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1003 (ऐच्छिक)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	लघुशोध प्रबंध (सैद्धांतिक)							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०३	१५	०२

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	EHN-1003 (ऐच्छिक)	०४	१००	–	१००

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय
अनुस्नातक	ईकाई–१	शोध का स्वरूप , शोध के प्रकार, शोध की प्रक्रिया–सोपान
	ईकाई–२	शोध कर्ता एवं शोध–निर्देशक की योग्यता
	ईकाई–३	विषय–चयन, शोध–प्रबंध की रूप रेखा, सामग्री–संकलन, भूमिका लेखनन
	ईकाई–४	पाद–टिप्पणी, संदर्भ निर्देश, अनुक्रमणिकाल, ग्रंथानुक्रमणिका, परिशिष्ट

अंक	क्रेडिट
नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी
केवल लघु–शोधप्रबंध तैयार करना होगा । १०० अंक बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन होगा ।	०४
१००	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय
स्नातक	शोध–प्रपत्र	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा ।
	सेमिनार	किसी तीन सेमिनार में उपस्थित रहना होगा ।

पाठ्य पुस्तक : शोध सिद्धांत
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन डी – १९/२२० नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास),
नवा वाड़ज अहमदाबाद (गुजरात) ।

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1010 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य – २								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०४	१६	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	CHN-1010 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण हिन्दी खण्डकाव्य की परम्परा को विस्तार से जानें
COs 2. छात्रगण कृष्ण काव्य परम्परा को विस्तृत रूप से समझें ।
COs 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्येता प्रबंध काव्यों की परम्परा को जानें ।
COs 4. छात्रगण भारतीय पौराणिक कथाओं को विस्तार से जानें ।
COs 5. छात्रगण प्रयोगवाद के बारे में जानें ।
COs 6. छात्रगण अज्ञेय की काव्यगत वैचारिकता को जानें ।
COs 7. छात्रगण नागार्जुन की काव्य-चेतना को जानें ।
COs 8. छात्रगण नागार्जुन के काव्यों को पढ़कर ग्रामजीवन के बारे में जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	
अनुस्नातक	ईकाई-१	– हरिऔध : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'प्रिय प्रवास' की कथावस्तु
		– प्रबंध-काव्य के लक्षणों के आधार पर 'प्रिय प्रवास' का मूल्यांकन	– 'प्रिय प्रवास' महाकाव्य के प्रेरणास्रोत
		– 'प्रिय प्रवास' महाकाव्य में व्यक्त आधुनिकता	– 'प्रिय प्रवास' का काव्यरूप
		– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'प्रिय प्रवास' का मूल्यांकन	– 'प्रिय प्रवास' महाकाव्य में व्यक्त प्रकृति चित्रण
		– कृष्ण काव्य परंपरा और 'प्रिय प्रवास'	– 'प्रिय प्रवास' महाकाव्य में व्यक्त भारतीय संस्कृति
	ईकाई-२	– रामधारिसिंह 'दिनकर' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'उर्वशी' महाकाव्य की कथावस्तु
		– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'उर्वशी' का मूल्यांकन	– 'उर्वशी' महाकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय
		– 'उर्वशी' महाकाव्य के प्रेरणा-स्रोत	– 'उर्वशी' प्रेम और सौदर्य का महाकाव्य
		– 'उर्वशी' महाकाव्य में व्यक्त दिनकर की नारी-भावना	– 'उर्वशी' महाकाव्य के पात्रों का चरित्रांकन
		– 'उर्वशी' महाकाव्य में व्यक्त युगबोध	– 'उर्वशी' महाकाव्य में कामाध्यात्मकता
	ईकाई-३	– अज्ञेय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से अज्ञेय की कविताओं का मूल्यांकन
		– अज्ञेय की कविताओं में व्यक्त राष्ट्रप्रेम	– अज्ञेय की कविताओं में निरूपित यथार्थ
		– नयी कविताओं के लक्षणों के आधार पर अज्ञेय की कविताओं का मूल्यांकन	– अज्ञेय की कविताओं की प्रमुख विशेषताएँ
		– अज्ञेय का काव्य सौष्ठव	– अज्ञेय की कविताओं का काव्य-कला की दृष्टि से मूल्यांकन
		– 'हिरोशीमा' काव्य का भावार्थ	– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'असाध्य वीणा' का मूल्यांकन
	ईकाई-४	– नागार्जुन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– नागार्जुन के काव्यों की काव्यगत विशेषताएँ
		– नागार्जुन की कविताओं में व्यक्त समस्याएँ	– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से नागार्जुन की कविताओं का मूल्यांकन
		– नागार्जुन की कविताओं में व्यक्त सामाजिक चेतना	– नागार्जुन की कविताओं में व्यक्त प्रगतिवादी विचारधारा
		– नागार्जुन के काव्य में वर्ग-संघर्ष	– नागार्जुन के काव्य में व्यक्त ग्राम-चेतना
		– नागार्जुन के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ	– नागार्जुन के काव्य में व्यक्त यथार्थता

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'प्रिय प्रवास' की अलंकार योजना – 'प्रिय प्रवास' की छन्द योजना – 'प्रिय प्रवास' की भाषा शैली – 'प्रिय प्रवास' के शीर्षक की सार्थकता – 'उर्वशी' महाकाव्य की छन्द योजना – 'उर्वशी' महाकाव्य की अलंकार योजना – 'उर्वशी' महाकाव्य का उद्देश्य – 'उर्वशी' महाकाव्य का परिवेश – अज्ञेय की कविताओं की भाषा शैली – अज्ञेय की कविताओं में व्यक्त अलंकार – अज्ञेय की कविताओं में छन्द योजना – अज्ञेय की कविताओं में बिम्ब योजना – नागार्जुन के काव्य की भाषा शैली – नागार्जुन के काव्य की अलंकार योजना – नागार्जुन के काव्य की छन्द योजना – नागार्जुन के कविताओं में मानवतावाद		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : प्रिय प्रवास संपादक : अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्यिल्ली	पाठ्य पुस्तक : उर्वशी संपादक : रामधारिसिंह 'दिनकर' प्राप्ति स्थान : उदयाचल प्रकाशन, पटना	पाठ्य पुस्तक : आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय संपादक : विद्यानिवास मिश्र प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्यिल्ली	पाठ्य पुस्तक : आज के लोकप्रिय कवि नागार्जुन संपादक : प्रभाकर माचवे प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) उर्वशी : विचार और विश्लेषण, डॉ.वचनदेव कुमार, प्र.हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
(२३) उर्वशी : समग्र अध्ययन, डॉ.दयाकृष्ण जोशी, प्र.पंचशील प्रकाशन, जयपुर
(३) महाकवि दिनकर : उर्वशी और अन्य कृतियाँ, डॉ.विमलकुमार जैन, प्र.हिन्दी प्रचारक सस्थान, वाराणसी
(४) अज्ञेय : कवि और काव्य, राजेन्द्रप्रसाद, प्र.तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली–२
(५) अज्ञेय : एक अध्ययन, डॉ.भोलोभाई पटेल, प्र.गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
(६) 'अज्ञेय', सं.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
(७) नागार्जुन की कविता, अजय तिवारी, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(८) नागार्जुन का काव्य, डॉ.चंद्रहास सिंह, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(९) बाबा नागार्जुन, नरेन्द्र कोहली, प्र. वाणी प्रकाशन, दिल्ली
(१०) आधुनिक हिन्दी काव्य : उद्‌भव और विकास, स्नेहलता पाठक, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली–२
(११) आधुनिक हिन्दी काव्य, शिल्प मोहन अवस्थी, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन,द नयी दिल्ली
(१२) नरेश मेहता के खण्डकाव्य : एक अनुशीलन, प्रा.कविता शर्मा, अहमदाबाद
(१३) हरिऔध के काव्य में राष्ट्रीयता एवं सामाजिकता – डॉ. मंजू तरडेजा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) अज्ञेय के काव्य में बिम्ब – डॉ. टी. शांतकुमारी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) दिनकर का कुरूक्षेत्र और मानवतावाद – डॉ. मोहसिन खान – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) जनकवि नागार्जुन एवं प्रयोगवादी कवि अज्ञेय – डॉ. वीणा दाढ़े – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) नागार्जुन का काव्य और जीवन–दर्शन – डॉ. श्रीमती पूनम बोरसे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) अज्ञेय : साहित्य और जीवन दर्शन – डॉ. रेनू श्रीवास्तव – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) नागार्जुन के काव्य में प्रगतिशील चिन्तन – डॉ. गोविन्द के. बुरसे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) नागार्जुन की कविता में जनवादी चेतना – डॉ. रमाकान्त आपरे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२१) नागार्जुन के काव्य में जेतना – डॉ. बापुराव देसाई – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२२) नागार्जुन के काव्य में व्यंग्य – डॉ. सुनील जाधव – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२३) नागर्जुन के काव्य में प्रगतिशीलता और शिल्पगत प्रयोग– डॉ. संगीता एकनायराणआहेर– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२४) प्रगतिशील चेतना और नागार्जुन का काव्य – डॉ. अनिल कुमार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२५) नागार्जुन का कथा साहित्य – डॉ. मीरां चन्द्रा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) जनकवि नागार्जुन एवं प्रयोगवादी कवि अज्ञेय – डॉ. वीणा दाढ़े – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) कवियों के कवि अज्ञेय – डॉ. शंकर वसंत मुद्‌गल – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) रामधारी सिंह 'दिनकर' के साहित्य में जीवन मूल्य – डॉ. सूर्यवंशी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) जनसंचार एवं पत्रकारिता – कुमारी शिप्रा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) हरिऔध के महाकाव्यों की नारी पात्र – रेणु श्री वास्तव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) नागार्जुन के काव्य में प्रगतिशील चिंतन – डॉ. गोविन्द के. बुरसे – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) नागार्जुन के काव्य में जीवन दर्शन – डॉ. श्रीमती पूनम बोरसे – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३३) अज्ञेय : साहित्य और जीवन दर्शन – डॉ. रेनू श्रीवास्तव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३४) हरिऔध के काव्य में राष्ट्रीयता एवं सामाजिकता – डॉ. मंजू तरडेजा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३५) नागार्जुन के काव्य में प्रगतिशीलता और शिल्पगत प्रयोग – डॉ. संगीता एकनाथराव आहेर (ढास) – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३६) डॉ. हरिवंशराय बच्चन का आत्मकथात्मक साहित्य – प्रा. श्रीनिवास – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३७) नागार्जुन के काव्य में व्यंग्य – डॉ. सुनील जाधव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३८) मुक्तिबोध एवं नागार्जुन का काव्य–दर्शन – डॉ. प्रभा दीक्षित – अमन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1011 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी गद्य (कथा साहित्य–२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०४	१७	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	CHN-1011 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण हिन्दी नाटक का स्वरूप एवं विकास जानें ।

COs 2. पाठ्यक्रम संबंधी छात्रगण संस्कृत प्रकांड पंडित कालिदास के जीवन चरित्र से परिचित होंगे ।

COs 3. छात्रगण आत्मकथा के स्वरूप के बारे में विस्तार से जानें ।

COs 4. छात्रगण नये आलोचकों का परिचय प्राप्त करें ।

COs 5. छात्रगण आत्मकथा, आलोचना का उद्‌भव–विकास जानें ।

COs 6. छात्रगण इतिहास की गर्त में दबी भारतीय संस्कृति एवं कला को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– जगदीशचन्द्र माथुर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'कोणार्क' नाटक का कथानक
		– नाट्यकला के आधार पर 'कोणार्क' का मूल्यांकन	– 'कोणार्क' नाटक के चरित्रों का चरित्रांकन
		– रंगमंच की दृष्टि से 'कोणार्क' नाटक का मूल्यांकन	– 'कोणार्क' नाटक की ऐतिहासिकता
		– 'कोणार्क' नाटक का उद्देश्य	– 'कोणार्क' नाटक की प्रासंगिकता
	ईकाई–२	– मोहन राकेश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का कथानक
		– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के चरित्रों का चरित्रांकन	– नाट्यकला के आधार पर 'आषाढ़ का एक दिन' का मूल्यांकन
		– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में इतिहास और कल्पना का समन्वय	– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में व्यक्त समस्याएँ
		– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की अभिनेयता	– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की रस–योजना
	ईकाई–३	– हरिवंशराय बच्चन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– आत्मकथा के लक्षणों के आधार पर 'नीड़ का निर्माण फिर' का मूल्यांकन
		– 'नीड़ का निर्माण फिर' में बच्चन की विचारधारा	– 'नीड़ का निर्माण फिर' आत्मकथा की कथावस्तु
		– 'नीड़ का निर्माण फिर' आत्मकथा में सर्वक की आत्मानुभूति	– 'नीड़ का निर्माण फिर' आत्मकथा की प्रासंगिकता
		– 'नीड़ का निर्माण फिर' आत्मकथा का शिल्प–विधान	– 'नीड़ का निर्माण फिर' से व्यक्त संदेश
	ईकाई–४	– नामवरसिंह का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'कविता के नये प्रतिमान' का काव्य विषयक विचार
		– आलोचना की दृष्टि से 'कविता के नये प्रतिमान' का मूल्यांकन	– 'कविता के नये प्रतिमान' में नावरसिंह की साहित्यिक दृष्टि
		– 'कविता के नये प्रतिमान' की साहित्यिक विशेषताएँ	– 'कविता के नये प्रतिमान' में व्यक्च नावरसिंह की आलोचना दृष्टि
		– 'कविता के नये प्रतिमान' में नावरसिंह की नयी आलोचना शिल्प दृष्टि	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'कोणार्क' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'कोणार्क' नाटक में व्यक्त संकलन–त्रय – 'कोणार्क' नाटक का अन्त – 'कोणार्क' नाटक की संवाद योजना – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की अभिनेयता – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का उद्देश्य – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का संकलन–त्रय – 'नीड़ का निर्माण फिर' का शीर्षक – 'नीड़ का निर्माण फिर' का उद्देश्य – 'नीड़ का निर्माण फिर' की शैली – 'कविता के नये प्रतिमान' की उपयोगिता – 'कविता के नये प्रतिमान' में व्यक्त भाषा शैली		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कोणार्क संपादक : जगदीशचन्द्र माथुर प्राप्ति स्थान : भारती भंडार प्रेस, इलाहाबाद	पाठ्य पुस्तक : आषाढ़ का एक दिन संपादक : मोहन राकेश प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : नीड़ का निर्माण फिर संपादक : हरिवंशराय बच्चन प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : कविता के नये प्रतिमान संपादक : नामवरसिंह प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्यिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) नाट्यकार जयशंकर प्रसाद, सं.डॉ.सत्येन्द्र तनेजा

(२) प्रसाद के नाटक, डॉ.सिद्धनाथकुमार, प्र.मैकमिलन कंपनी दिल्ली,

(३) प्रसाद का नाट्यशिल्प, बनवारी लाल हांडा, प्र.हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली

(४) मोहन राकेश : व्यक्तित्व और कृतित्व, सुष्मा अग्रवाल, प्र.पंचशील प्रकाशन, जयपुर

(५) मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरिश रस्तोगी, ,प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, इलाहाबाद

(६) हिन्दी नाटक, डॉ.बच्चन सिंह, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली

(७) बच्चन पत्र, यादें मुलाकातें, सं.डॉ.श्याम सुंदर घोष, उमेश प्रकाशन, इलाहाबाद

(८) आलोचना के नए मान, कर्ण सिंह, मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि.दिल्ली

(९) नाटककार जगदीशचन्द्र माथुर, गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

(१०) 'दशद्वार' से 'सोपान' तक, डॉ.हरिवंशराय बच्चन, राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली

(११) हरिवंशराय बच्चन की साहित्य साधना, पुष्पा भारती, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

(१२) हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा एवं पुनर्मूल्यांकन – डॉ. राव साहेब जाधव – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१३) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. देवायत एम. सोलंकी – प्रकाशक : डॉ. देवायत एम. सोलंकी – मुद्रक : आदर्श प्रिन्टिंग प्रेस, गोडाउन रोड, १३–मनहर प्लोट के सामने, जामनगर ट्रान्सपोर्ट के सामने, राजकोट

SAURASHTRA UNIVERSITY

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1012 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाश्चात्य काव्यशास्त्र								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०४	१८	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	CHN-1012 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से पाश्चात्य समीक्षा के विकास-क्रम को जानें ।
COs 2. छात्रगण पश्चिम की काव्य-सृजन तथा काव्य-विश्लेषण की सशक्त परम्परा को जानें ।
COs 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अध्ययन से अध्येता पाश्चात्य सभ्यता, संस्कृति, कला और साहित्य को जानें ।
COs 4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र पाश्चात्य काव्यशास्त्रीयों की काव्य-विषयक धारणाओं को समझे ।
COs 5. पाठ्यक्रम अध्ययनरत छात्र काव्य सम्बन्धी पाश्चात्य विचारकों के मत जानें ।
COs 6. छात्रगण भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की तुलना करें ।
COs 7. छात्रगण पाश्चात्य काव्यशास्त्र की नवीन प्रवृतियों को जानें ।
COs 8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का अध्ययन करने से अध्येता में रागात्मक चेतना का विकास होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	
अनुस्नातक	ईकाई-१	– पाश्चात्य काव्यशास्त्र का उद्‌भव एवं विकास	
		– प्लेटो : व्यक्तित्व एवं कृतित्व,	– प्लेटो के काव्य संबंधी विचार : १. काव्य का सत्य, २. काव्य सृजन का दैवी प्रेरणा सिद्धांत, ३. अनुकरण सिद्धांत
		– अरस्तु : व्यक्तित्व एवं कृतित्व,	– अरस्तु के काव्य संबंधी विचार : १. अनुकरण सिद्धांत, २. विरेचन सिद्धांत, ३. त्रासदी सिद्धांत,
		– प्लेटो और अरस्तु की काव्य संबंधी मान्यताओं की तुलना	– प्लेटो और अरस्तु के अनुकरण सिद्धांत की तुलना
	ईकाई-२	– लौंजाइनस (लोंगीनुस) : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– लौंजाइनस के काव्य संबंधी विचार : उदात्त सिद्धांत
		– जॉन ड्राइडन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– जॉन ड्राइडन के काव्य संबंधी विचार : १. काव्य सिद्धांत, २. कल्पना सिद्धांत
		– विलियम वड्‌स्वर्थ : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– विलियम वड्‌स्वर्थ के काव्य संबंधी विचार : काव्य भाषा सिद्धांत
	ईकाई-३	– सैम्युअल टेल कॉलरिज : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– सैम्युअल टेल कॉलरिज के काव्य संबंधी विचार : कल्पना सिद्धांत
		– मैथ्यू आर्नल्ड : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– मैथ्यू आर्नल्ड के काव्य संबंधी विचार : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
		– टी. एस. इलियट : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– टी. एस. इलियट के काव्य संबंधी विचार : १. कल्पना सिद्धांत, २. निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, ३. वस्तुनिष्ठ समीकरण, ४. संवेदनशीलता का असाहचर्य
	ईकाई-४	– आई. ए. रिचर्ड्स : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– आई. ए. रिचर्ड्स के काव्य संबंधी विचार : १. मूल्य सिद्धांत, २. सम्प्रेषण सिद्धांत, ३. व्यावहारिक आलोचना
		– होरेस औचित्य सिद्धांत, क्रोचे का अभिव्यंजना सिद्धांत, इलियट का इतिहास बोध का सिद्धांत, फ्रिस्टोकर काडवेल का श्रम-सिद्धांत	
		– विविधवाद : स्वच्छन्दतावाद, आभिजात्यवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, कलावाद, उत्तर आधुनिकतावाद, आदर्शवाद ओर यथार्थवाद , संरचनावाद, विखण्डनवाद, अतियथार्थवाद, उत्तर संरचनावाद, नव्यशास्त्रवाद	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – प्राकृतवाद – बिम्बवाद – फैन्टसी – सुकरात – प्रतीकवाद – रूपवाद – मिथक – कार्ल मार्क्स		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, डॉ.तारकनाथ बाली, प्र.मैकमिलन प्रकाशन, मुबंई
(२) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा, डॉ.नगेन्द्र, प्र.नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नयी दिल्ली
(३) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, डॉ.कृष्णदेव शर्मा
(४) पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, कुसुमा बांठिया, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(५) समीक्षा के नये प्रतिमान, दिवाकर, प्र.भारतीय निकेतन, नयी दिल्ली-२
(६) उत्तर आधुनिकता साहित्यिक विमर्श, सुधीश चौधरी,प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(७) उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद, सुधीश चौधरी, प्र.हिमाचल पुस्तक भंडार, सरस्वती भंडार, गांधीनगर, दिल्ली-३१
(८) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ.बच्चनसिंह, प्र.हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
(९) कॉलरिज और उनका साहित्य – डॉ. उदयशंकर श्रीवास्तव – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. ज्ञानराज गायकवाड – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) शैली विज्ञान संकल्पना एवं स्वरूप – डॉ. पाडुरंग चिल्ला – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) सुलभ काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य – डॉ. सुरेश लाथडे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) काव्यशास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य – डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – अमन प्रकाशनल कानपुर
(१५) काव्यशास्त्र : विविध आयाम – सं. डॉ. मधु खराटे – अमन प्रकाशनल कानपुर
(१६) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. यतीन्द्र तिवारी – अमन प्रकाशनल कानपुर
(१७) पाशचात्य काव्यशास्त्र – डॉ. विजयपाल सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१८) भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१९) व्यावहारिक हिन्दी – माधव सोनटक्के – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विद्यापीठ SAURASHTRA UNIVERSITY

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी									
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1004(आंतर विद्याकीय)									
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्रयोजनमूलक हिन्दी – २									
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०४	१९	०१		
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे								
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	IHN-1004 (आंतर विद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण विभिन्न जन-संचार माध्यमों का परिचय प्राप्त करें ।

COs 2. छात्रगण रेडियो नाटक की भाषा एवं अन्य भाषा के अन्तर को जानें ।

COs 3. प्रयोजनमूलक भाषा के अध्येता विज्ञापन की भाषा को विस्तार से जानें ।

COs 4. छात्रगण प्रयोजनमूलक हिन्दी का अध्ययन करके उपभोक्ता को वस्तु की और आकर्षित करके रोजगार प्राप्त करें ।

COs 5. छात्रगण अनुवाद के माध्यम से भाषागत दूरियों को मिटाकर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को सुदृढ़ करें ।

COs 6. छात्रगण वर्तमान अर्थव्यवस्था के विकास में प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्थान विस्तार से समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	
अनुस्नातक	ईकाई-१	– जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ	– विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य
		– श्रव्य माध्यम (रेडियो)	– मौखिक भाषा की प्रकृति
		– समाचार लेखन एवं वाचन	– रेडियो नाटक उद्घोषणा लेखन
		– विज्ञापन लेखन	– फीचर तथा रीपोतार्ज
	ईकाई-२	– दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविज़न एवं वीडियो)	– दृश्य माध्यमों की भाषा प्रकृति
		– दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य	– पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर) पट कथा लेखन
		– टेली-ड्रामा संवाद लेखन	– साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण
		– विज्ञापन की भाषा	– इंटरनेट सामग्री : सृजन (कन्टेन्ट क्रिएशन)
	ईकाई-३	– अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि	– हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
		– कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद	– जनसंचार माध्यमों का अनुवाद
		– वैचारिक साहित्य का अनुवाद	– वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद
		– विधि-साहित्य की हिन्दी और अनुवाद	– व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास
	ईकाई-४	– कार्यालयी अनुवाद कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि	– पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद
		– बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास	– विधि-साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
		– साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक	– दुभाषिया प्रविधि
		– अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन	

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – इंटरनेट – पत्रों के अनुवाद – विज्ञापन की भाषा का अनुवाद – विज्ञापन में अनुवाद – सारानुवाद – वैज्ञानिक शब्दावली का अनुवाद – वाणिज्यिक अनुवाद – बैंकिंग हिन्दी का अनुवाद		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) जनसंचार : विविध आयाम, व्रज मोहन गुप्त, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(२) टेलीविजन लेखन, असगर वजाहत, प्रभात रंजन, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(३) रेडियो नाटक की कला, डॉ.सिद्धनाथ कुमार, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(४) रेडियो वार्ता शिल्प, डॉ.सिद्धनाथ कुमार, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(५) जनसंचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व, सं.त्रिभुवन राय, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
(६) पटकथा लेखन : एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, प्र. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
(७) हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग, वासुदेव नंदन प्रसाद, प्र.भारतीय भवन प्रकाशन, पटना
(८) अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार, डॉ.जयंतीप्रसाद नोटीयाल, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(९) अनुवाद विज्ञान, डॉ.भोलानाथ तिवारी, प्र.शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
(१०) व्यवसायिक सम्प्रेषण, डॉ.अनूपचंद यु.भायाणी, प्र.राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
(११) मीडिया और हिन्दी – डॉ. खराटे, डॉ. पाटील प्रा. सोनवणे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) संचार, सूचना, कम्प्यूटर और प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. सु. नागलक्ष्मी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) कार्यालयी हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक – डॉ. सुरेश माहेश्वरी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. सुकुमार भंडारे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. सानप शाम– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) प्रयोजनमूलक हिन्दी : व्याकरण एवं रचना – प्रा. उमा जाधव – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध परिदृश्य – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) प्रयोजनमूलन हिन्दी – डॉ. मधुकर राठौर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) पत्रकारिता एवं विकास संचार – डॉ. अनिल उपाध्याय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२१) संचार माध्यमो के लिए विज्ञान कथा – डॉ. राजीव रंजन उपाध्याय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२२) अनुवाद संवेदना और सरोकार – डॉ. सुरेश सिंहल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२३) लोकसंचार माध्यम प्रस्तुति के रचनात्मक आयाम – डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) जनपत्रकारिता, जनसंचार एवं जनसम्पर्क – सूर्यप्रसाद दीक्षित – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) जनसंचार एवं पत्रकारिता – रेशमा नहाफ – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२५) जनसंचार माध्यम में हिन्दी की स्थिति और दिशा – डॉ. कीर्तिकुमार – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) जनसंचार एवं पत्रकारिता – कुमारी शिप्रा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) समाचार और जनसंचार – गोविन्द प्रसाद – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) कार्यालय हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीकी – डॉ. सुरेश महेश्वरी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. सुकुमार भंडारे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) कार्यालयी हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक – सं. सुरेश महेश्वरी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. दक्षा निमावत – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) प्रयोजनमूलक हिन्दी : व्याकरण एवं रचना – प्रा. उमा जाधव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३३) प्रयोजनमूलक हिन्दी का वर्तमान – डॉ. सिद्धेश्वर कश्यप – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३४) प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम – डॉ. माया सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३५) प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम (वि.सं.) – डॉ. सिद्धेश्वर कश्यप – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३६) प्रयोजनमूल्क हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली टिप्पण प्रारूपण – डॉ. मधु वन – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३७) प्रयोजनमूलक हिन्दी का अध्ययन – डॉ. सुशीला गुप्ता – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३८) व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. माधवराव सोनटक्के – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२९) कामकाजी हिन्दी शब्द संरचना – गणपति मोटल, रामनारायण – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1004(आंतर विद्याकीय)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का आदिवासी साहित्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०४	१९	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	IHN-1004 (आंतर विद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. पाठ्यक्रम संबंधी छात्रगण भारतीय आदिवासी अस्मिता का परिचय प्राप्त करें ।

COs 2. छात्रगण आदिवासी साहित्य से भारतीय आदिवासी समाज-व्यवस्था को विस्तार से जानें ।

COs 3. छात्रगण आदिवासी साहित्य एवं आँचलिक साहित्य का परिचय प्राप्त करें ।

COs 4. पाठ्यक्रम संबंधी छात्र भारतीय जन-जातीय संस्कृति का आदिवासी साहित्य से परिचय प्राप्त करें ।

COs 5. छात्रगण आदिवासी देवी-देवताओं का परिचय प्राप्त करें ।

COs 6. छात्रगण अन्य समाजों की तुलना आदिवासी समाज से करके राष्ट्रीय उत्थान में आदिवासियों के योगदान को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय
अनुस्नातक	ईकाई-१	आदिवासी साहित्य : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
		आदिवासी साहित्य की साहित्यिक विशेषताएँ
		आदिवासी साहित्य : उद्भव एवं विकास
		मंगलसिंह मुण्डा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		'छैला सन्दु' उपन्यास का कथानक
	ईकाई-२	उपन्यास कला के आधार पर 'छैला सन्दु' का मूल्यांकन
		'छैला सन्दु' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन
		'छैला सन्दु' उपन्यास में व्यक्त आतंकवादी जन चेतना
		'छैला सन्दु'उपन्यास की मिथकीयता
		'छैला सन्दु' उपन्यास का परिवेश
	ईकाई-३	हरिराम मीणा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		'धुणी धपेल' उपन्यास का कथानक
		'धुणी धपेल' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन
		'धुणी धपेल' उपन्यास में व्यक्त गोविन्दगुरु की सामाजिक चेतना
	ईकाई-४	'धुणी धपेल' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक चेतना
		'धुणी धपेल' उपन्यास में व्यक्त आदिवासियों पर अत्याचार
		'धुणी धपेल' उपन्यास की समसामायिकता
		उपन्यास कला के आधार पर 'धुणी धपेल' का मूल्यांकन

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'छैला सन्दु' उपन्यास का शीर्षक – 'धुणी धपेल' उपन्यास का शीर्षक – 'छैला सन्दु' उपन्यास का उद्देश्य – 'धुणी धपेल' उपन्यास का उद्देश्य – 'छैला सन्दु' उपन्यास की संवाद योजना – 'धुणी धपेल' उपन्यास की संवाद योजना – 'छैला सन्दु' उपन्यास की भाषा शैली – 'धुणी धपेल' उपन्यास की भाषा शैली		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट :
- **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
- **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
- **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
- **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
- **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : छैला सन्दु
उपन्यासकार : मंगलसिंह मुण्डा
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., १-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-११०००२

पाठ्य पुस्तक : धुणी धपेल
उपन्यासकार : हरिराम मीणा
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., १-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-११०००२

संदर्भ ग्रंथ :

(१) आदिवासी एवं उपेक्षित जन, डॉ.भीमराव पिंगले, विकास प्रकाशन, कानपुर, १९९६
(२) आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी, सं.रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,२००२
(३) आदिवासी समाज और शिक्षा, रामशरण जोशी,ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली, १९९६
(४) उपन्यास का आँचलिकता वातायन, डॉ.रामपत यादव, चिंता प्रकाशन, पिलानी, राजस्थान,१९८०
(५) उपन्यास : स्वरूप संरचना तथा शिल्प, शान्ति स्वरूप गुप्त, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली
(६) उत्तरशती का हिन्दी उपन्यास, सं.एन.मोहन, जवाहर पुस्तककलाय, मथुरा, २००४
(७) कथाकार शानी, डॉ. हनिल सिंह, सरस्वती प्रकाशन, उल्हास नगर, २००२
(८) देवेन्द्र सत्यार्थी : एक भव्य लोकयात्री, प्रकाश मनु, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली, २००४
(९) मध्यप्रदेश की जन-जातीय संस्कृति, डॉ.शिवकुमार तिवारी, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, १९९९
(१०) मीणा जन-जाति : एक परिचय, लक्ष्मी नारायण मीणा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, १९९१
(११) मुण्डा आदिवासियों की भाषाएँ और संस्कृति, डॉ. रूपांशु माला, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, २००२
(१२) राजेन्द्र अवस्थी का कथा-साहित्य, डॉ.भाऊसाहेब परदेशी, साहित्य निलय प्रा.लि. कानपुर,२०००
(१३) वीरेन्द्र जैन का कथा-साहित्य, सं.मनोहर लाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, १९९७
(१४) हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में मूल्य संक्रमण, वेदप्रकाश अमिताभ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, १९९७
(१५) हिन्दी उपन्यास समकालीन विमर्श, डॉ.सत्यदेव त्रिपाठी, अमन प्रकाशन, कानपुर, २०००
(१६) हिन्दी उपन्यासों में जनवादी परंपरा, सं.कुँवरपाल सिंह, प्रमुख वितरक दिल्ली प्रकाशन, २००४
(१७) हिन्दी के आँचलिक उपन्यास, डॉ.रामदरश मिश्र, नयम प्रकाशन, नई दिल्ली, १९९९
(१८) हिन्दी उपन्यास : एक अंत:यात्रा, डॉ.रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, १९६८
(१९) हिन्दी के आँचलिक उपन्यास, मृत्युंजय उपाध्याय, चित्रलेखा प्रकाशन, इलाहाबाद, १९९४
(२०) हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, १९७०
(२२) हिन्दी उपन्यास साहित्य का उद्‌भव और विकास, डॉ.लक्ष्मीकांत सिंह, ग्रंथ भारती, कानपुर, १९९६

SAURASHTRA UNIVERSITY

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	IHN-1004 (आंतर विद्याकीय)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य (व्यावहारिक–२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०४	१९	०३	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	IHN-1004 (आंतर विद्याकीय)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप विस्तार से जानें ।

COs 2. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का इतिहास जानें ।

COs 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों में तुलनात्मक दृष्टि का विकास होगा ।

COs 4. छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके भारतीय संस्कृति का परिचय प्राप्त करें ।

COs 5. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन करके राष्ट्रीय चेतना को विस्तार से जानें ।

COs 6. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से विभिन्नता में एकता की भावना को ओर भी सुदृड़ करें ।

COs 7. तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से नारी–विमर्श की अवधारणा को समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– मैक्सिम गोर्की : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'माँ' उपन्यास का कथानक
		– उपन्यास तत्वों के आधार पर 'माँ' का मूल्यांकन	– 'माँ' उपन्यास में निरूपित विचारधारा
		– 'माँ' उपन्यास के प्रमुख चरित्रों का चित्रांकन	– 'माँ' उपन्यास का परिवेश
	ईकाई–२	– रवीन्द्रनाथ ठाकुर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'गोरा' उपन्यास का कथानक
		– उपन्यास तत्त्वों के आधार पर 'गोरा' का मूल्यांकन	– गोरा का चरित्र चरित्रांकन
		– सुचरिता का चरित्र चरित्रांकन	– 'गोरा' उपन्यास में व्यक्त विचारधारा
	ईकाई–३	– चुनीलाल मडिया: व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'लिलुडी धरती' उपन्यास का कथानक
		– 'लिलुडी धरती' में व्यक्त विचारधारा	– उपन्यास तत्वों के आधार पर 'लिलुडी धरती' का मूल्यांकन
		– 'लिलुडी धरती' उपन्यास के प्रमुख चरित्र	– 'लिलुडी धरती' उपन्यास में चित्रित परिवेश
		– 'लिलुडी धरती' में आँचलिकता	– 'लिलुडी धरती' उपन्यास में व्यक्त ग्राम–चेतना
	ईकाई–४	– फणीश्वर नाथ 'रेणु' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'मैला आँचल' का कथानक
		– उपन्यास तत्त्वों के आधार पर 'मैला आँचल' का मूल्यांकन	– 'मैला आँचल' में व्यक्त आँचलिकता
		– 'मैला आँचल' में व्यक्त विचारधारा	– 'मैला आँचल' के प्रमुख चरित्रों का चरित्रांकन

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'माँ' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'माँ' उपन्यास का उद्देश्य – 'माँ' उपन्यास की भाषा–शैली – 'माँ' उपन्यास की संवाद–योजना – 'गोरा' शीर्षक की सार्थकता – विनय का चरित्र चित्रांकन – आनंद मयी का चरित्र चित्रांकन – 'गोरा' उपन्यास में व्यक्त भारतीयता एवं विश्वबंधुत्व की भावना – 'लिलुडी धरती' के शीर्षक की सार्थकता – 'लिलुडी धरती' उपन्यास में चित्रित आँचलिकता – 'लिलुडी धरती' उपन्यास का उद्देश्य – 'लिलुडी धरती' उपन्यास में संवाद–योजना – 'मैला आँचल' शीर्षक की सार्थकता – 'मैला आँचल' में चित्रित परिवेश – 'मैला आँचल' भाषा शैली		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : माँ संपादक : मैक्सिम गोर्की प्राप्ति स्थान : साहित्य सेवक कार्यालय, ब्रह्मनाल, काशी	पाठ्य पुस्तक : गोरा संपादक : रवीन्द्रनाथ ठाकुर प्राप्ति स्थान : प्रभात प्रकाशन, चावडी बाज़ार, दिल्ली–६	पाठ्य पुस्तक : लीलुडी धरती संपादक : चुनीलाल मडिया प्राप्ति स्थान : नवभारत साहित्य मंदिर, अहमदाबाद	पाठ्य पुस्तक : मैला आँचल संपादक : फणीश्वरनाथ 'रेणु' प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्यिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) भारतीय नवलकथा – जोषी रमणलाल, प्र. युनि. ग्रंथ निर्माण बोर्ड, अहमदाबाद

(२) भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रघुवीर का सृजन : सं. आलोक गुप्ता, प्र. रंगद्वार प्रकाशन, माणसा (उ.गु.)

(३) तुलनात्मक साहित्य : सिद्धांत और समीक्षा, सं. महावीरसिंह चौहाण, प्र. पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

(४) મડિયાનું મનોરાજ્ય – સં. ઉમાશંકર જોશી – વાડીલાલ ડગલી મડિયા સ્મારક સમિતિ, વૉરા એન્ડ કંપની, ગાંધી ચેમ્બર્સ, ગાંધી માર્ગ, અમદાવાદ

(५) चुनीलाल मडिया – बलवंत जानी – एन.एम. त्रिपाठी प्रा.लि., १६४ शामलदास गांधी मार्ग, मुंबई-२

(६) माँ–मैक्सिम गोर्की – अनुवादक : मुनीश सक्सेना – पीपुल्स पब्लिशींग हाउस(प्रा.) लिमिटेड, ५-इ, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली – ११००५५

(७) फणीश्वरनाथ 'रेणु' के उपन्यासों का शिल्पगत अध्ययन – प्रा. अशोक बामनराव धुलधुलल – अक्षय प्रकाशन, कानपुर

(८) उपन्यासकार 'रेणु' तथा नागार्जुन के रचनासंसार का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. उमा गगरानी, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली – २

(९) मैला आँचल : शिल्प और दृष्टि – डॉ. बदरी प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1004 (ऐच्छिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	राजभाषा प्रशिक्षण – २								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०४	२०	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	EHN-1004 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण हिन्दी भाषा के विभिन्न स्वरूपों को जानें ।
COs 2. छात्रगण राजभाषा हिन्दी के रूपों को विस्तार से जानें ।
COs 3. छात्रगण राजभाषा हिन्दी के प्रकार्यो को विस्तार से जानें ।
COs 4. छात्रगण कार्यालयीन हिन्दी को जानें ।
COs 5. छात्रगण सरकारी कर्मचारियों द्वारा प्रयुक्त हिन्दी के रूप को जानें ।
COs 6. छात्रगण हिन्दी का वर्तमान रूप जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय
अनुस्नातक	ईकाई–१	राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष
		हिन्दी आलेखन : अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं विशेषताएँ
		टिप्पण : अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार
		संक्षेपण : अर्थ, स्वरूप, भेद एवं महत्व
		पत्राचार : स्वरूप, भेद एवं महत्व
	ईकाई–२	कार्यालय ज्ञापन
		कार्यालय आदेश
		कार्यालयी अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या
		हिन्दी कम्प्यूटरीकरण
		हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण
	ईकाई–३	हिन्दी में वैज्ञानिक और तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली
		केन्द्र एवं राज्य शासन के विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दी प्रयोग की स्थिति
		बैकिंग में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति
		बीमा और अन्य क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति
		जनसंचार माध्यमों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति
	ईकाई–४	विधिक क्षेत्रों में हिन्दी
		वैज्ञानिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति
		विज्ञापन एवं जनसंपर्क क्षेत्रों की हिन्दी
		बाजार एवं खेलकूद के क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति
		भूमण्डलीकरण के परिपेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य

अंक		क्रेडिट	
नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० ०२ × १५ = ३०	०४	०४
७०	१००	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – संक्षेपणकार के गुण – हिन्दी कम्प्यूटरीकरण – सूचना प्रोद्योगिकी के परिप्रेक्ष्य में – पत्राचार का महत्व – टिप्पण की विशेषताएँ – हिन्दी कूटपद निर्माण – टिप्पण:उपादेयता और प्रकार – हिन्दी संकेताक्षर – विज्ञापन और हिन्दी – अनुवाद की उपयोगिता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) व्यावहारिक राजभाषा – डॉ. नारायणदत्त पालीवाल, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली–२
(२) प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पण, प्रारूपण और पत्र लेखन – डॉ. हरिमोहन, प्र. तक्षशीला प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(३) बैंकों में व्यावहारिक हिन्दी का प्रगामी प्रयोग – कान्ता जोशी, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
(४) हिन्दी में उन्नत टिप्पणी और सारलेखन – रामविनायक सिंह – प्र. लोकभारती प्रकाशन, अहमदाबाद
(५) सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव – प्र. लोकभारती प्रकाशन, अहमदाबाद
(६) प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे – प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(७) जीवन बीमा व्यवसाय में हिन्दी प्रयोग – सुधीर निगम – प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(८) हिन्दी भाषा : संदर्भ और संरचना – सूरजभान सिंह – प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २
(९) राजभाषा के नये आयाम – सं. डॉ. एन. टी. गामीत – प्र. क्रिएटीव प्रकाशन, राजकोट
(१०) राजभाषा हिन्दी के बहुमुखी आयाम – डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमार – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहरनगर, कानपुर
(११) कम्प्यूटर और हिन्दी – डॉ. हरिमोहन – प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली – २
(१२) कम्प्यूटर शिक्षा – डॉ. प्रज्ञा श्रीवास्तव – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर
(१३) कार्यालयी हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक – डॉ. सुरेश महेश्वरी – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर
(१४) हिन्दी : विविध व्यवहारों की भाषा – सुवास कुमार – प्र. वाणी प्रकाशन, २१–ए दरियागंज, नई दिल्ली – २
(१५) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन – डॉ. शिवाकांत गोस्वामी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों में हिंदी – सं. डॉ. रमेशचंद्र शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) राजभाषा हिंदी के बहुमुखी आयाम – डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमारी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम – डॉ. शंकर बुन्देले – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) राष्ट्रीयकृत बैंकों में हिन्दी – डॉ. शंकर बुन्देले – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) बैंकों में अनुवाद की भाषा वैज्ञानिक समस्या में – डॉ. रमीष एन. – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२१) अभिनव कार्यालय आलेखन और टिप्पण – डॉ. विद्याश्री – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२२) राष्ट्रीयकृत बैंको में हिन्दी – डॉ. शंकर बुंदेले– अमन प्रकाशन, कानपुर
(२३) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रालेखन – डॉ. शिवाकांत गोस्वामी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) राजभाषा हिन्दी समस्याएँ समाधान – शंकर बुन्देले – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२५) रूप विज्ञान – लक्ष्मणप्रसाद सिन्हा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२६) मानक हिन्दी व्याकरण – पृथ्वीनाथ पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२७) राजभाषा हिन्दी राजकीय पत्र व्यवहार – डॉ. घनश्याम अग्रवाल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२८) अनुवाद अनुभव अवदान – आरसु – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२९) हिन्दी का सरल शब्दानुशासन – देवेन्द्रप्रसाद सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३०) हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि – देवेन्द्रप्रसाद सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३६) वस्तुनिष्ठ हिन्दी – संजय एल. – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३१) भाषिक औदित्य – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३२) भाषा चिन्तन की भारतीय परम्परा – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३३) हिन्दी भाषा का रूपमिय विश्लेषण – डॉ. लक्ष्मणप्रसाद सिन्हा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३४) रोजगारपरक हिन्दी – डॉ. ईश्वर पवार – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३५) गागर में सागर (प्रतियोगात्मक) – आरसु – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

नोट : ★ यह पाठ्यक्रम केवल शोध–छात्र के लिए है ।

★ प्रस्तुत पाठ्यक्रम से प्रश्नपत्र पूछा नहीं जाएगा ।

★ यह पाठ्यक्रम केवल शोध–छात्र के शोध–प्रशिक्षण के लिए है ।

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1004 (ऐच्छिक)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	लघुशोध प्रबंध (व्यावहारिक)							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०४	२०	०२

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	EHN-1004 (ऐच्छिक)	०४	१००	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. पाठ्यक्रम संबंधी शोध–प्रविधि का ज्ञान प्राप्त करें ।

COs 2. छात्रगण शोध के विविध आयामों को समझें ।

COs 3. पपाठ्यक्रम संबंधी छात्रगण शोध–प्रबंध का प्रारूप समझे ।

COs 4.छात्रगण शोध–विषय की विविध शोध पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त करें ।

COs 5. पाठ्यक्रम संबंधी छात्र शोध–प्रबंध के विश्वविद्यालय के नियमों को जानें ।

COs 6. छात्रगण कृति की समालोचना के बारे में विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	▪ अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं उद्देश्य	▪ अनुसंधान की विभिन्न पद्धतियाँ
		▪ अनुसंधान के प्रकार : – साहित्यिक अनुसंधान – तुलनात्मक अनुसंधान – क्षेत्रीय अनुसंधान – मनोवैज्ञानिक अनुसंधान – ऐतिहासिक अनुसंधान – शैली–वैज्ञानिक अनुसंधान – भाषा–वैज्ञानिक अनुसंधान – समाजशास्त्रीय अनुसंधनान अनुसंधान : शोध और आलोचना	▪ अनुसंधान की प्रक्रिया ▪ अनुसंधान के विविध सोपान ▪ शोध के पर्यायवाची शब्द ▪ शोध निर्देशक के गुण शोधार्थी के गुण
		हिन्दी अनुसंधान में सम्बन्ध–विषयों की भूमिका	पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत
		हिन्दी शोध–प्रबंध का प्रारूप	
	ईकाई–२ समालोचना	साहित्य अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	साहित्य का महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार
		▪ समालोचना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	समालोचना के प्रकार :– साहित्यिक समालोचना – अवलोकनीय समालोचना – सर्वेक्षणात्मक समालोचना – प्रश्नावली/मतावली सर्वेक्षण समालोचना
		▪ साहित्यिक समालोचना – गद्य–कृतियों की समालोचना – पद्य–कृतियों की समालोचना – गद्य–पद्य कृतियों की समालोचना	गद्य कृतियों की समालोचना – नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण की समालोचना
		पद्य कृतियों की समालोचना – महाकाव्य, खण्डकाव्य, –गीतिकाव्य, वीरकाव्य, – स्फूटकाव्य आदि की समालोचना	गद्य–पद्य कृतियों की समालोचना : चम्पू काव्य की समालोचना
	ईकाई–३ पुस्तक समालोचना	प्रस्तावना (कृतिकार की प्रतिष्ठा, रचना काल, वैचारिकता आदि का संक्षिप्त ब्यौरा)	▪ कृतिकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		कृति (समालोचना संबंधी) की संक्षिप्त कथावस्तु	कृति का रचना समय
		कृतिकार पर अन्य साहित्य–सर्जक एवं विचारकों का प्रभाव	कृति में कृतिकार की वैचारिकता
		रचना की समकालीनता	कृति द्वारा कृतिकार का भाव–बोध
	ईकाई–४ शोध–प्रबंध प्रविधि	कथा, पात्र, संवाद, वातावरण द्वारा समाज का संदेश	कृति का निष्कर्ष–निष्पादन
		समापन	– 'आल्हाखण्ड' में नीति एवं कर्तव्य
		▪ शोध–प्रबंध का मुखपृष्ठ–स्वरूप एवं टंकण	▪ शोध–प्रबंध की प्रामाणिकता–प्रमाणपत्र – प्रारंभिक विद्यावाचस्पति मौखिकी प्रमाणपत्र – निर्देशक का घोषणापत्र – शोधार्थी का घोषणापत्र – निर्देशक एवं शोधार्थी का शोध–सत्यापन प्रमाणपत्र
		▪ शोध–प्रबंध की प्रस्तावना – विषयचयन – विषयचयन की प्रेरणा – शोध–विषय का महत्त्व – शोध–विषय की विशेषता – शोध–विषय की प्रासंगिकता – पूर्ववर्ती शोध–कार्य – परवर्ती शोध–कार्य – सामग्री–संकलन – शोध–प्रबंध का अध्याय विभाजन – अनुक्रमणिका – पृष्ठ–क्रमांक – पृष्ठ–सज्जा – शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण – संदर्भ सूची – संदर्भ ग्रंथ सूची : आधार–ग्रंथ सहायक ग्रंथ–पत्र–पत्रिकाएँ–शब्दकोश –वेबसाईट–साक्षात्कार–चित्र–सज्जा–तस्वीर इत्यादि	शोध–प्रबंध प्रस्तुतिकरण ▪ शोध–प्रबंध रूपरेखा (सिनोप्सीस) : – टंकण कार्य – वर्ण–लिपि–वर्ण आकार–कद– हस्ताक्षर – शोध–प्रबंध रूपरेखा प्रस्तुत–शुल्क, सत्र शुल्क

अंक	क्रेडिट
नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी
केवल लघु–शोधप्रबंध तैयार करना होगा । १०० अंक बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन होगा ।	०४
१००	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय
स्नातक	शोध–प्रपत्र	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा ।
	सेमिनार	किसी तीन सेमिनार में उपस्थित रहना होगा ।

पाठ्य पुस्तक : शोध सिद्धान्त

संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा

प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, डी–१९/२२०, नंदनवन एपार्टमेन्ट, भावसार होस्टेल के पास, नवा वाडज, अहमदाबाद – ३८०११३ (गुजरात)

पाठका तः सरस्वती
SAURASHTRA UNIVERSITY